Swarn Shilp
CHAINS & JEWELLERS PVT. LTD.
An exclusive AR brand



RNI No. MAHHIN/2008/24974, Regd No. MCS-206/2022-24, Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai-01,
Posting Date-14-15 Every Month, Publishing Date 14 Every Month

# आभूषण टाइम्स

वर्ष : 17 | अंक : 04 | जून 2024 | मासिक | पृष्ठ : 46 | मूल्य : ₹ 50

GJEPC INDIA
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

IIJS INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE 2024
8th - 12th August, 2024
Jio World Convention Centre- Mumbai
9th - 13th August, 2024
Bombay Exhibition Centre- Mumbai

Concurrent Show
IGJME INDIA GEM & JEWELLERY MACHINERY EXPO
PREMIERE, Mumbai 2024

Brilliant Bharat
AN IIJS THEME

THE GLOBAL EPICENTRE OF JEWELLERY TRADE

Special Attraction
The Select Club
EXPERIENCE THE LUXURY
Jasmine Hall, Jio World Convention Centre - Mumbai

Scan for Visitor Registration

4 DECADES OF MAXIMISING BUSINESS

The Gem & Jewellery Export Promotion Council
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

www.gjepc.org | gjepcindia | gjepcindia | gjepcindia | iijs.gjepc

# BOOKINGS OPEN FOR ICONIC CUSTOMERS

IJP

INDIA JEWELLERY PARK
MUMBAI

**The India Jewellery Park.**
**A golden future for India's jewellers.**

- Advanced manufacturing facilities
- World-class work spaces
- On-site Govt. approvals and customs
- Ready market for your goods
- Better work-life balance

Scan to Register

## For Booking, Contact

Email: callcentre@gjepcindia.com | Contact Number : 7700974085

**Website: jewellerypark.org**

A GJEPC INDIA PROJECT Sponsored by the Ministry of Commerce & Industry, Government of India.

SHANTI
GOLD
International Ltd.

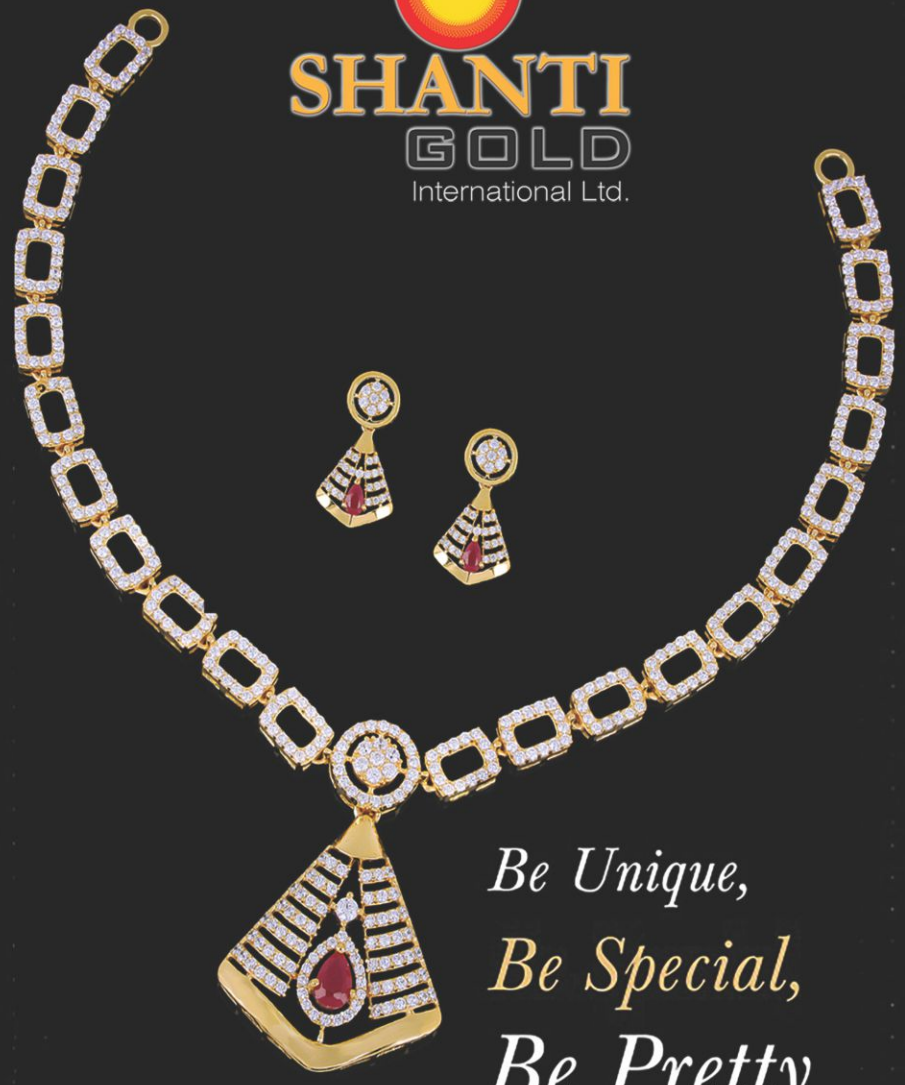

*Be Unique,*
*Be Special,*
*Be Pretty*

+91 9819514517

order@shantigold.in

www.shantigold.in

Andheri East

# KEEP EVERYTHING YOU NEED AROUND YOU

GM
SWITCH TO A BETTER WORLD

## G-HOOP 4+1
POWER STRIP

The GM G-Hoop 4+1 Power Strip features a unique and ergonomic design that not only enhances your space but also meets all your charging needs. Perfect for modern homes, offices and industrial settings, it ensures efficient and flexible power distribution. This power strip improves energy efficiency and streamlines connectivity in dynamic environments while ensuring durability and safety.

- 3 International Sockets
- Safety Shutter
- 1.8 m cable
- LED Indicator

CUBA

NOW AVAILABLE ON amazon

Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances

Our Exclusive Experience Centres

www.gmmodular.com | info@gmmodular.com |

**Mumbai** - Andheri +91 88799 18221 **Lohar Chawl** 022 2206 6545 **Ahmedabad** +91 91529 59541 **Bengaluru** +91 80409 71188 **Belgaum** +91 99453 33107
**Hyderabad** +91 40247 34545 **Vijayawada** +91 86624 99945 **Jalore** +91 29732 22288 **Bhilwara** +91 8955048560 **Calicut** +91 49527 73500 **Noida** +91 99501 52527
**Kolkata** +91 33406 02048 **Ranchi** +91 94715 55599 **Tirunelveli** +91 94431 51008 **Patna** +91 70048 36171 **Coimbatore** +91 99523 07025 **Puducherry** +91 41345 00222
**Surat** +91 91520 88884 **International - Dubai** +97 142 51 80 08 +97 143 54 40 36 **Spain** +34 677 62 09 45 **Kenya** +254729234315

# गोल्ड में तेजी, सिल्वर में चमकार बाजार में बहार, खरीदी का इंतजार

भारत इन दिनों दुनिया भर की निगाहों में है। हर देश की नजर भारत की गोल्ड की खरीदी पर है, लेकिन भारत की नजरें चीन पर है और आभूषण टाइम्स की नजरें बाजार की गतिविधियों पर। दुनिया भर के विभिन्न देशों की नजरें भारत पर होने का कारण यह है कि भारत लगातार गोल्ड की खरीदी करता जा रहा है, और भारत की नजरें चीन पर इसलिए है क्योंकि हाल ही में चीन ने गोल्ड की खरीदी धीमी कर दी है एवं आभूषण टाइम्स की नजरें बाजार पर इसलिए है क्योंकि हम आपको बताते रहे हैं कि बाजार के हालात क्या है, कैसे सुधर रहे हैं और किन हालातों में व्यापार में बढ़ोतरी हो सकती है। देश भर के ज्वेलर्स गोल्ड की हाल ही में मंदी पड़ गई रफ्तार से हैरत में है, लेकिन खुश भी है क्योंकि गोल्ड के रेट स्थिर रहते हैं, तो ही ज्वेलरी की ग्राहकी खुलती है। आभूषण टाइम्स हर बार अपने ताजा अंक में बाजार के ताजा हालात की जानकारी देता रहा है। हालांकि देश का ज्वेलरी मार्केट इन दिनों थोड़ा सुस्त सा है, बुलियन मार्केट भी गोल्ड के रेट्स के कारण धीमा रफ्तार से चल रहा है और सिल्वर भले ही तेज है, लेकिन उतार चढ़ाव ज्यादा होने के कारण कमाई कभी कभी अचानक धुल भी जाती है।

तो चलिए सबसे पहले बात करते हैं गोल्ड की, जो दुनिया भर के देशों की अर्थव्यवस्था का आधार है और उसी का चमक से बाजार की धड़कनें धड़कती है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ ही वक्त में गोल्ड फिर से 77 हजार के आंकड़े को पार करता हुआ 80 हजार पर पहुंच सकता है। हालांकि फिलहाल गोल्ड थोड़ा सा धीमा है मगर जानकार बताते हें कि थोड़ा और नीचे भी जा सकता है, लेकिन फिर तेजी पकड़ेगा, तो सीधे 1 लाख के पार भी जा सकता है, जो आने वाले साल भर में देखने को मिल सकता है। इसके खास कारण यह है कि दुनिया भर के देश गोल्ड की खरीदी तेज करने वाले हैं। भारत की ही बात करे, तो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से इस साल जमकर सोने की खरीदारी की जा रही है, यह साफ तौर पर लग रहा है। इसी साल 2024 के बीते तीन महीनों, मार्च, अप्रेल और मई महीनों में की गई गोल्ड की खरीदी के आंकड़े तो बाद में सामने आएंगे, लेकिन रिजर्व बैंक ने जनवरी और फरवरी में गोल्ड खरीदारी का जो सिलसिला बरकरार रखा उसके मुताबिक केवल दो महीने में ही भारत ने 13 टन से ज्यादा सोना खरीदा और इसी के साथ भारत का गोल्ड रिजर्व बढ़कर अब 817 टन पर पहुंच गया है। दुनिया भर के देशों में अमेरिका, कजाकिस्तान, चीन जैसे देश भी लगातार गोल्ड खरीद रहे हैं।

उधर सिल्वर यानी चांदी की चमक को देखें, तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के अनुरूप सिल्वर की कीमतें 97 हजार के पार तक तो पहले से ही पहुंच गई और आने वाले दिनों में 1 लाख का आंकड़ा छूकर सीधे 1 लाख 15 हजार पर पहुंचने के आसार हैं। बाजार के जनकार मानते हैं कि आश्चर्य नहीं कि अगले साल सिल्वर में सवा लाख तक भी पहुंच सकता है। पिछले कुछ महीनों से सिल्वर की शाइनिंग ज्वेलर्स की उम्मीद के मुताबिक लगातार बढ़ती ही जा रही है। अक्सर माना जाता है कि सिल्वर और गोल्ड साथ साथ चलते हैं, लेकिन इस बार सिल्वर ने जो तेजी पकड़ी है, उससे बाजार के जानकार भी दंग हैं। गोल्ड की तेजी मंदी पड़ने के साथ ही सिल्वर सीधे 20 फीसदी तेजी पकड़कर आगे बढ़ गया, तो बाजार को आश्चर्यचकित तो होना ही था। केवल इसी साल में सिल्वर के रेट्स में 36 फीसदी से ज्यादा का उछाल आ चुका है। खास बात यह है कि सिल्वर की इस रिकॉर्ड तेजी की वजह इसकी इंडस्ट्रियल मांग में तेजी को माना जा रहा है। सिल्वर के तेज बढ़ते रेट्स ने इसमें निवेशकों को भी जबरदस्त आकर्षित किया है, निवेशक अगले कुछ ही महीनों में सिल्वर को लाख रुपये के पार देख रहे हैं, जबकि बाजार के हालात बता रहे हैं और जिस तरह से खपत बढ़ रही है, सन 2025 में सिल्वर के ये रेट्स सवा लाख के पार भी पहुंच सकते हैं।

बात जब, गोल्ड और सिल्वर की कर ली है, तो ये दोनों जिस ज्वेलरी में काम आते हैं, उसकी बात भी करना जरूरी है, क्योंकि आभूषण टाइम्स आखिरकार ज्वेलरी मार्केट की ही प्रतिनिधि पत्रिका है। ज्वेलर्स पिछले तीन महीनों से परेशान थे, क्योंकि आम चुनाव की वजह से कैश की आवाजाही लगभग ठप ही थी। भारत से ज्वेलरी का एक्सपोर्ट बढ रहा है और गोल्ड की बढ़ती कीमतों के बीच ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ज्वेलर्स अपने उत्पादों में डिजाइन का विस्तार भी कर रहे हैं। बाजार में कम कैरेट की गोल्ड ज्वेलरी का आकर्षण बढ़ रहा है, यह बदलाव युवा पीढ़ी की ओर से देखनो को मिल रहा है, क्योंकि वह ज्वेलरी पसंद भी करती है और खर्च भी कम करना चाहती है। माना जा रहा है कि रिटेल से पहले होलसेल ज्वेलरी मार्केट में आने वाले दिनों में तेजी आएगी, क्योंकि बारिश के बाद खरीदी का सीजन भले ही देर से आए, लेकिन होलसेल ज्वेलर्स के लिए निर्माण और बड़े पैमाने पर सेल तो शुरू हो ही जाएगी। वैसे रिटेल ज्वेलर्स के लिए तो मुख्य सेल गणेशोत्सव के बाद से त्यौहारी सीजन और फिर विवाह के सीजन में ही होगी।

सिद्धराज लोढ़ा

“रिटेल से पहले होलसेल ज्वेलरी मार्केट में आने वाले दिनों में तेजी आएगी, क्योंकि बारिश के बाद खरीदी का सीजन भले ही देर से आए, लेकिन होलसेल ज्वेलर्स के लिए निर्माण और बड़े पैमाने पर सेल तो शुरू हो ही जाएगी। वैसे रिटेल ज्वेलर्स के लिए तो मुख्य सेल गणेशोत्सव के बाद से त्यौहारी सीजन और फिर विवाह के सीजन में ही होगी।”

www.shringar.ms |

Jewel World, Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road, Mum - 400 002. Tel - 022-43111222

# आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नं. 1 हिन्दी ज्वेलरी मैगजिन

वर्ष: 17, अंक: 04, जून-2024



06 गोल्ड में तेजी, सिल्वर में चमकार
बाजार में बहार, खरीदी का इंतजार

10 आने वाला है ज्वेलरी की बिक्री का सीजन
*लंबे वक्त के बाद बाजार में खरीदी खुलने के आसार*

18 DRI ने जब्त किए पांच टन सोने गहनों
के आयात पर निगरानी तेज

20 सिल्वर सवा लाख...!
*कोई आश्चर्य नहीं कि 2025 में यह भाव देखने को मिले*

24
- चार में महीने में 24 टन सोना, आखिर
इतना गोल्ड जमा क्यों कर रहा आरबीआई?
- लैब में तैयार हो रहे हीरे की कीमतें गिरीं

26 वित्त वर्ष 24 में निवेशकों ने खरीदे
27,000 करोड़ रुपये के सरकारी गोल्ड बॉन्ड-RBI

30 अभी तो और बढ़ेगी गोल्ड की चमक
*गोल्ड थोड़ा सा नीचे उतरकर पहले 80 हजार, फिर सीधा 1 लाख पार*

32 कहां तक उछलेगा गोल्ड
और फेड रिजर्व के रेट हाइक का कनेक्शन

38 लैब ग्रोन डायमंड का बढ़ता बाजार
अब हीरा है सभी के लिए, असली डायमंड से कम नहीं...

41 क्या है 9-कैरेट गोल्ड ज्वेलरी, जिसकी जल्द होगी हॉलमार्किंग
सोने की तेजी से क्या है कनेक्शन?



संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी
तुकाराम ठीक

प्रतिनिधि
दिनेश त्रिवेदी
08765908424



आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड़,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com



मालिक, मुद्रक, प्रकाशक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दुसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई- 2 से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाड़ी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400 004 से मुद्रित।

LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU
A PREMIER MANUFACTURER
OF CLOSED SETTING
DIAMOND JEWELLERY
www.laxmidiamonds.com
FOR BUSINESS ENQUIRIES,
CALL MR.LAXMAN THAKULLA
+91 9380888030 / +91 9322941537

# आने वाला है ज्वेलरी की बिक्री का सीजन

## लंबे वक्त के बाद बाजार में खरीदी खुलने के आसार

राकेश लोढ़ा

भारत में चुनाव संपन्न हो गए हैं, आचार संहिता हट गई है, नकदी की आवाजाही चालू हो गई है, बाजारों में खुलापन आ गया है और ज्वेलर्स के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी यह है कि देश में ज्वेलरी की सीजन शुरू होने वाली है। बारिश के उतरते ही भारत में कुछ मुख्य त्यौहारों की शुरूआत हो जाती है और इन्हीं मौकों के साथ ज्वेलरी खरीदी की बाढ़ सी आती है, जिनमें लोग आमतौर पर अवसरों के हिसाब से ज्वेलरी की खरीदारी करते हैं। विवाह सीजन इस बार बेहद खराब गया क्योंकि विवाह के आयोजन भी हुए ही नहीं तथा हुए तो भी बेहद कम संख्या में। अतः ज्वेलरी की सेल बेहद कम हुई, मगर अब ज्वेलर्स को उम्मीद है कि बारिश के बीच से ज्वेलरी की सेल शुरू होगी, जो दीपावली के बाद तक लगातार चलेगी। खास बात यह है कि भारत से ज्वेलरी एक्सपोर्ट भी बढ़ेगा। सरकारी आंकडों के मुताबिक ज्वेलरी एक्सपोर्ट के मामले में भारत लगातार बेहतरीन काम कर रहा है तथा आने वाले वर्षों में इसके और ज्यादा तेजी पकड़ने के आसार हैं। क्योंकि वर्ष 2023 तक के आंकड़े देखें, तो भारत कट और पॉलिश्ड डायमंड के शीर्ष निर्यातकों में पहले स्थान पर है, और गोल्ड व सिल्वर ज्वेलरी और लैब ग्रेन डायमंड के मामले में संसार में दूसरे स्थान पर है। इसी से समझा जा सकता है कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग में आने वाले दिनों में तेजी आने के आसार साफ हैं।

देश में बारिश का सीजन शुरू होते ही ज्वेलरी का निर्माण बढ़ जाता है। क्योंकि इन दिनों में ही जो ज्वेलरी बनती है, वही आने वाले त्यौहारों में आगे बिकती है। बारिश के साथ ही रक्षाबंधन, गणेशोत्सव, फिर नवरात्री, दीपावली आदि इन त्योहारों के समय, ज्वेलरी की सेल बढ़ जाती है, और इसके कारण बाजार में ज्वेलरी सेल की सीजन आती है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वेलरी दुकानें विशेष छूट और ऑफर्स भी प्रदान करती हैं ताकि लोग अपनी पसंदीदा ज्वेलरी को खरीद सकें। तो, यही सीजन है बाजार में गोल्ड की सेल का, क्योंकि गोल्ड खरीदकर ही तो ज्वेलरी बनेगी और बाजार में बिकेगी। हालांकि हाल ही में देखी गई गोल्ड की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी ने फिलहाल ज्वेलरी की डिमांड को कम कर दिया है, क्योंकि उतार - चढ़ाव वाले बाजार में कोई भी उपभोक्ता हाथ डालने से बचता है। इसी कारण इस साल की दूसरी तिमाही यानी अप्रैल से जून महीने के बीच ज्वेलरी इंडस्ट्री का बाजार बेहद ठंडा रहा। फिर देश में आम चुनाव होने की वजह से अप्रेल महीने से ही आचार संहिता लग गई, जिसकी वजह से देश भर में कैश की आवाजाही बिल्कुल ठप हो गई, तो ज्वेलरी की खरीदी भी लगभग बंद सी हो गई। देश भर के ज्वेलरी शो रूम्स में ग्राहक बेहद कम ही दिखे और कमाई कम तथा खर्चे ज्यादा होने की वजह से ज्वेलर्स भी बेहद परेशान रहे। हालांकि, उससे पहले इस साल यानी 2024 की पहली तिमाही में मुंबई, पुणे, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलुरू, त्रिवेंद्रम, राजकोट, अहमदाबाद, सूरत, जयपुर, जोधपुर, लखनऊ, भोपाल, पटना आदि देश भर के बाजारों में ज्वेलरी सेल का प्रदर्शन काफी ठीक रहा था।

**ज्वेलरी बिक्री सीजन के दौरान, जगह-जगह पर ज्वेलरी की खास मार्केटिंग होती है ताकि लोग अपनी पसंदीदा ज्वेलरी खरीद सकें। ज्वेलरी की सेल का यह सीजन विभिन्न तिथियों पर मनाया जाता है, लेकिन सबसे अधिक इसकी चमक विवाह के सीजन और त्योहारों के दिनों के आसपास रहती है। बरसात की समाप्ति के साथ ही ज्वेलरी की सेल का सीजन खुलने ही वाला है।**

इस साल की पहली तिमाही में ज्वेलरी की सेल काफी संतोषजनक रही थी, क्योंकि गोल्ड के रेट्स लगातार बढ़त की तरफ अग्रसर थे। भले ही यही माना जाता रहा है कि गोल्ड के रेट बढ़ने से लोग सहम जाते हैं, लेकिन ज्वेलरी की सेल में इस दौर में वास्तव में थोड़ी सी

तेजी आई, क्योंकि जब जब गोल्ड के रेट बढ़ते हैं, तभी सेल बढ़ती है। इसका कारण केवल एक ही माना जाता है कि सामान्य ग्राहक सोचता है कि गोल्ड के रेट कही और न बढ़ जाएं, इसलिए वह तत्काल खरीदी की रेस में उतरता है। जबकि गोल्ड जैस, जैसे नीचे उतरने लगता है, तो ज्वेलरी की सेल बेहद कम हो जाती है या फिर थम सी जाती है क्योंकि लोग सोचते हैं कि अभी तो गोल्ड और नीचे उतर सकता है। मगर, अब यानी इस साल की तीसरी तिमाही के बाद ज्वेलरी की सेल फिर से ढ़ने के आसार पक्के माने जा रहे हैं। क्योंकि आने वाले दिनों में कई त्योहार, उत्सव व अवसर आने वाले हैं। दीपावली से लेकर विवाह का सीजन भी आने वाला है। अतः ज्वेलर्स अभी से अपने शोरूम्स में नई नई ज्वेलरी भरने की तैयारी कर रहे हैं।

वैसे माना जाता है कि उत्सव और विवाह के सीजन के मौके पर भी ज्वेलरी की खरीदारी गोल्ड के रेट्स पर निर्भर करती है, मगर फिर भी ज्वेलरी जरूर बिकती है क्योंकि बमारे देश में तो आखिर बिना ज्वेलरी तो कोई भी विवाह या उत्सव मनाए ही नहीं जाते। इसी कारण, आने वाले सीजन में उपभाक्ताओं की जरूरतों व पसंद को देखते हुए देश भर के ज्वेलर्स ने गोल्ड ज्वेलरी सहित डायमंड ज्वेलरी और सिल्वर ज्वेलरी का निर्माण शुरू कर दिया है। हालांकि ज्यादातर ज्वलर्स मानते हैं कि इस साल चाहे ग्राहकी कितनी भी खुल जाए और ज्वेलरी कितनी भी बिक जाए, मगर अप्रेल से लेकर जून के बीच यानी दूसरी तिमाही में ज्वेलरी की सेल में आई 50 फीसदी की गिरावट की भरपाई नहीं कर सकते। हालांकि, पिछले दो महीनों में, गोल्ड की कीमतें 10 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ी है और पिछले छह महीनों में गोल्ड 23 से 25 फीसदी महंगा हो गया है, इससे ज्वेलरी की रिटेल खरीद काफी हद तक प्रभावित हुई है। मगर, आने वाले दिनों में ज्वेलरी की सेल जबरदस्त बढ़ेगी, यह सभी को उम्मीद है।

ज्वेलरी भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। भारती समाज में ज्वेलरी न केवल सौंदर्य के प्रतीक के रूप में, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों सहित जीवन के भविष्य की ताकत के रूप में भी सदा सदा से इसका काफी ज्यादा महत्व है। ज्वेलरी के हर पहलू को देखें, तो किसी भी तरह की ज्वेलरी हर किसी के लिए न केवल एक ज्वेलरी होती है, बल्कि यह एक महिला के आत्म सम्मान, आत्म प्रतिष्ठा और भविष्य की सुरक्षा का साधन भी है। ज्वेलरी न केवल कोई डिजाइनर सजावटी सामान होता है, बल्कि यह समाज में स्त्री की मजबूत स्थिति को भी प्रकट करता है, तथा उसे गर्व भी अनुभव करवाता है। विशेषकर, शादियों और जन्म दिन के अवसरों से लेकर त्योहारों में महिलाओं के लिए ज्वेलरी का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। भारतीय समाज की परंपराओं के मुताबिक ज्वेलरी को पीढ़ी दर पीढ़ी एक परंरागत संपत्ति के रूप में भी स्वीकार किया जाता है और यह पीढ़ियों के बीच की आपसी बंधन व रिश्तों की मजबूती को भी प्रकट करती है। इसीलिए भारत में विवाह, उत्सवों तथा मेलजोल के अवसरों पर ज्वेलरी खरीदने के परंपरा है और जीवन की सुरक्षित संपत्ति के लिहाज से जरूरत भी। इसी कारण माना जा रहा है कि इस बार ज्वेलरी की सीजन भले ही कुछ ठंडी रही, लेकिन अब उसमें उछाल आने की संभावना है।

ताजा माहौल में ज्वेलरी की बढ़ती मांग पर नजर डालें, तो अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के दौरान भारत का ज्वेलरी और जेम का निर्यात 26.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। सन 2022 में, कट और पॉलिश किए गए डायमंड के मामले में भारत शीर्ष निर्यातकों में पहले स्थान पर है, और और गोल्ड से बननेवाली सिल्वर से निर्मित ज्वेलरी सहित लैब ग्रेन डायमंड के निर्यात के मामले में हमारा देश संसार में दूसरे स्थान पर है। जनवरी 2022 तक, भारत के गोल्ड व डायमंड के व्यापार ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में बड़ा योगदान दिया। जेम एंड ज्वेलरी क्षेत्र में 50 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। भारत सरकार ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय बाजार में 'ब्रांड इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए निवेश को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी और कौशल को उन्नत करने के लिए कई उपाय किए हैं। सरकार ने स्वचालित मार्ग के तहत इस क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति दी है, जिसमें निवेश के लिए विदेशी निवेशक या भारतीय कंपनी को रिजर्व बैंक या भारत सरकार से किसी पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। भारत सरकार ने मार्च 2022 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता भी किया, इससे भारतीय जेम एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री को भारत से ज्वेलरी के निर्यात को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। आने वाले वर्षों में, ज्वेलरी क्षेत्र में वृद्धि से बड़े पैमाने पर बड़े रिटेल विक्रेताओं का विकास होगा। बाजार के स्थापित बड़े ब्रांड ज्वेलरी सेक्टर में संगठित बाजार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और विकास के नए अवसर खोल रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में ज्वेलरी की सेल बढ़ने से ज्वेलरी निर्माण उद्योग को ताकत लेगी, बाजार में ग्राहकी बढ़ेगी और ज्वेलर के चेहरे चमकेंगे।

**मंगेश चौहान**
स्काय गोल्ड लि.

त्यौहार अक्सर ज्वेलरी की खरीदी का समय होते हैं, जब लोग अपनी धन का संचय करने और नए निवेश के लिए सोचते हैं, तो सबसे पहले दिमाग में ज्वेलरी खरीदने का विचार करते हैं। कुछ दिन बाद आने वाला वक्त भारत में ज्वेलरी बिक्री का सबसे महत्वपूर्ण समय है।

**भारत में ज्वेलरी का सीजन ज्वेलर्स के लिए सबसे बड़ी कमाई का अवसर होता है। लोग बड़ी संख्या में ज्वेलरी खरीदते हैं, तो बाजार का नूर खिल उठता है। आने वाले दिन, भारत में ज्वेलरी बिक्री सीजन के महत्वपूर्ण दिन होंगे, क्योंकि ज्वेलरी बिक्री सीजन बस आने ही वाला है।**

**नक्षत्र मेहता**
मेहता एम्पोरियम

आजकल न केवल शादी - विवाह या जन्म दिन जैसे अवसरों पर, बल्कि जब भी जेब में अतिरिक्त पैसा आ जाए, तो भारत में किसी भी समय लोग ज्वेलरी की खरीदी करते हैं, और इसे अपने धन में संचित करने और जीवन के भविष्य के इंतजाम के लिहाज से अच्छा मानते हैं।

**अमीत सोनी**
एमएल कन्हैयालाल ज्वेल्स

ज्वेलरी मार्केट के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय ज्वेलरी की बिक्री के अवसर का होना है, जो धार्मिक व सामाजिक महत्व के साथ आता है। लोग ऐसे अवसरों पर ज्वेलरी खरीदकर अपने धन को संचित करने का काम करते हैं, तभी तो बाजार में रौनक बढ़ती है।

**दिनेश जैन**
समृद्धि ज्वेलक्राफ्ट प्रा. लि.

ज्वेलरी की बिक्री ही इस उद्योग के विकास का केंद्र है। ज्वेलरी व्यवसायियों के लिए बिक्री का सीजन मुनाफा देने वाला होता है। ज्वेलरी डिज़ाइनर्स और ज्वेलरी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों के लिए ज्वेलरी की बिक्री का यह सीजन कमाई करने का एक अच्छा मौका होता है।

# SILVERIO

## Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

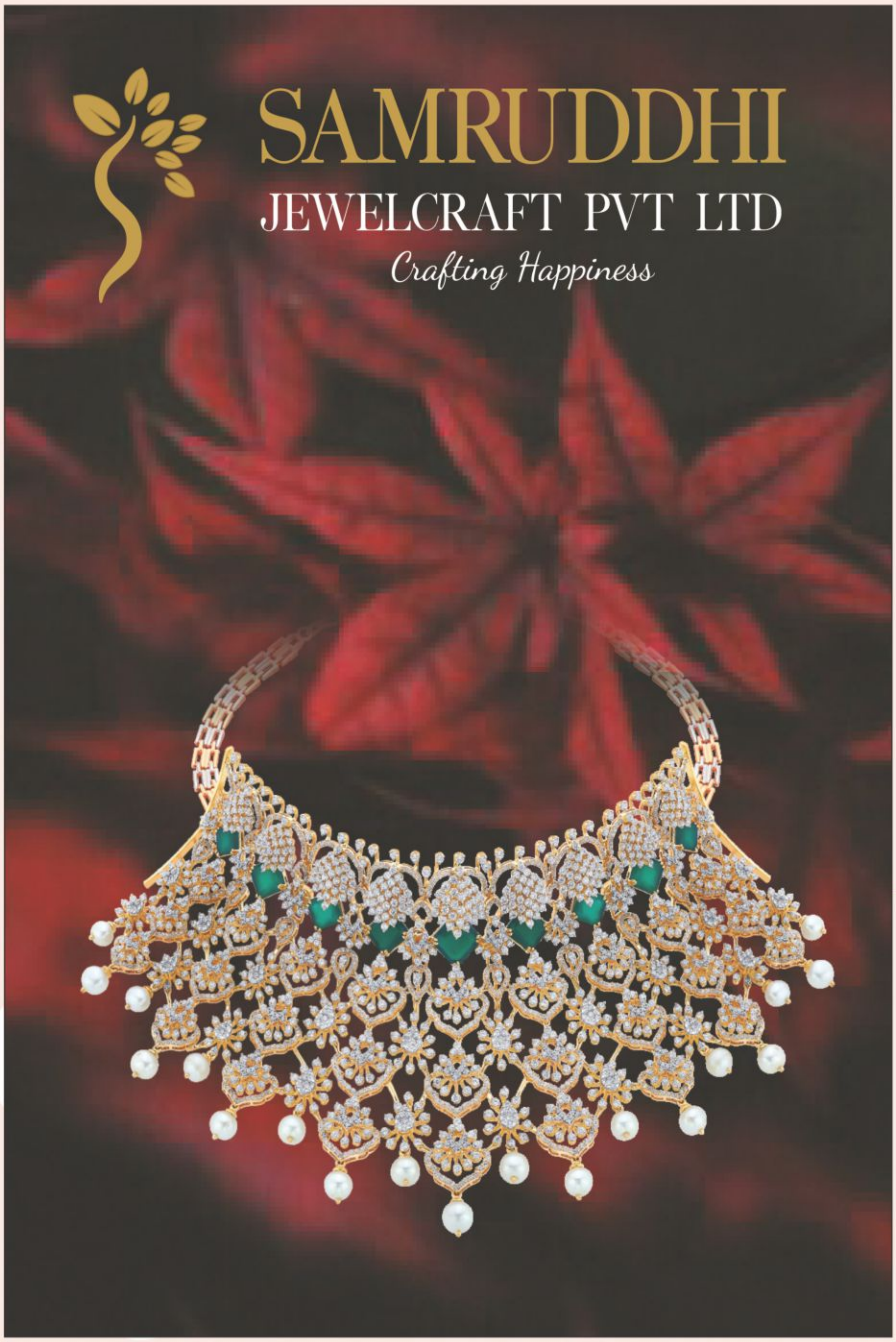


**Dinesh** Jain
+91 93206 70627

**Nikhil** Jain
+91 98196 03187

samruddhijewelcraft@gmail.com

ADN

THE MARK OF GUARANTEE & CREATION

# Aradhana

## JEWELLERS

**Retail :** 149, Bherumal House, Ground Floor, Zaveri Bazar, Mumbai - 400 002.
Tel.: 4972 8400 / 6183 4176 Email : aradhanakirti@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

**Wholesale :** Suite No. 204-6, 2nd Floor, 149, Bherumal, Zaveri Bazar, Mumbai - 400 002. India, Tel.: 2340 5500 / 2347 5500
Email : aradhana_jewellers@hotmail.com, www.aradhanajewellers.com

# INDIA'S MOST PREFERRED SILVER MANUFACTURER *For* GENERATIONS

GIRVÁAN
A STORY of GOLD
GOLD

# SILVER EMPORIUM
SILVER

DIARAH
JEWELS
DIAMONDS

**SILVER EMPORIUM** · **KALBADEVI** · 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor, Kalbadevi Road, Mumbai 400002
+91 22 6157 0000 · info@silverempo.com

**SILVER EMPORIUM** · **BORIVALI** · Shop No. 4A/5A, GF, Siddharth Building, Factory Lane, Off L.T. Marg,
Borivali (W), Mumbai 400092 · +91 22 2898 4990 · borivali@silverempo.com

info@silverempo.com · +91 91166 29370 · **silveremporium.in**

MUMBAI · CHENNAI · BENGALURU · HYDERABAD · JAIPUR

ANIL SINGHVI **+91 98201 81163**

AMAN SINGHVI **+91 9930331124**

AAYUSH SINGHVI +91 8879717705

AJPL

925 Silver

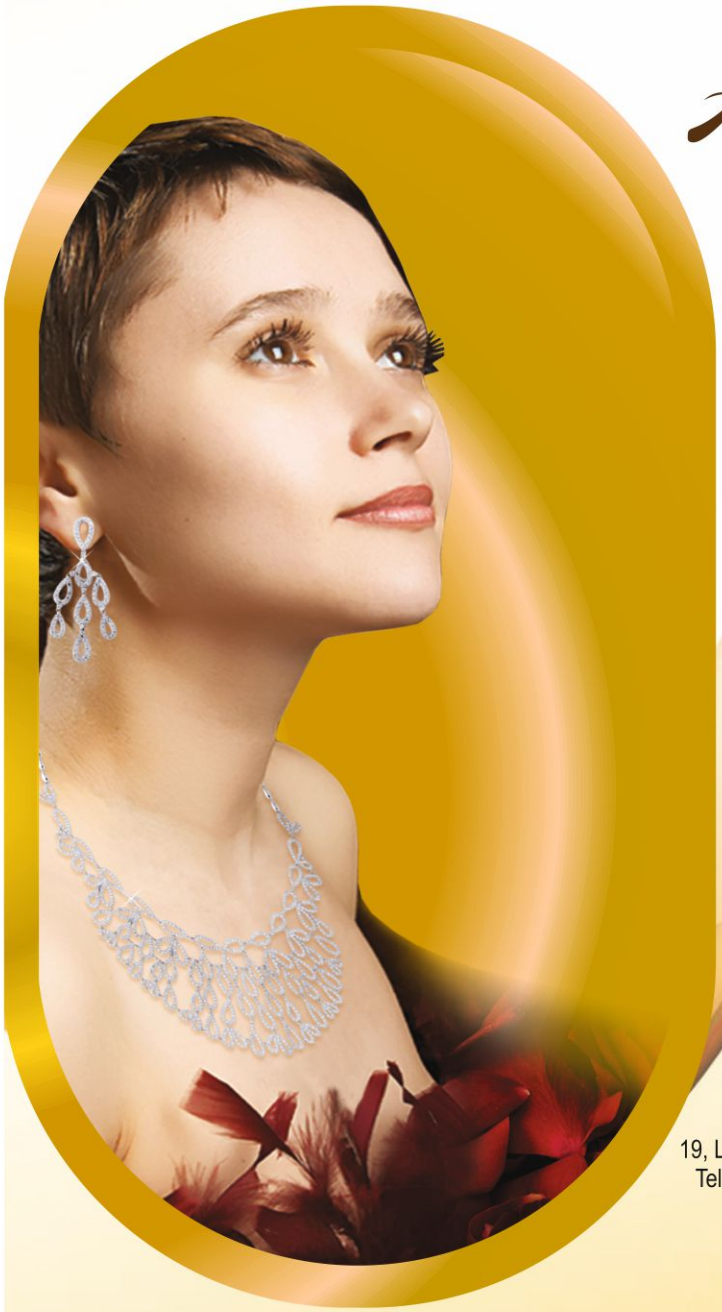

# Arihant

**925 JEWELLERY PVT. LTD.**

*The Finest Expression In Silver Jewellery*

19, L.K. Market, 1st Lane, Zaveri Bazar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91-22-2241 2567 / 2241 2568 | Inter Com : 7251
Email: amansinghvi@yahoo.com
Website: www.arihant925jewellery.com

**MANISH SONI**
**+91 98207 76844**

# Ramjivanlal Soni

**AMIT SONI**
**+91 98207 70094**

A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.

84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/

**WE HAVE NO OTHER BRANCHES**

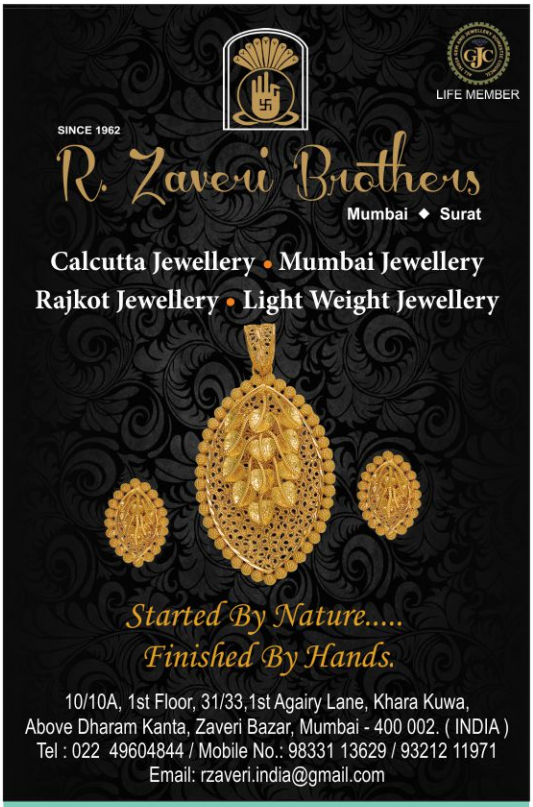

# DRI ने जब्त किए पांच टन सोने गहनों के आयात पर निगरानी तेज

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने बिना ब्रांड के सोने के आभूषणों के आयात पर निगरानी बढ़ा दी है। हाल में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और आयातकों से जब्ती में तेजी से वृद्धि हुई है। CBIC और राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने वित्त वर्ष 24 में संयुक्त कार्रवाई कर करीब पांच टन (5,000 किलोग्राम) सोना जब्त किया है। वित्त वर्ष 24 में वित्त वर्ष 23 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक जब्ती हुई। वित्त वर्ष 23 में 3.5 टन (3,500 किलोग्राम) सोने की जब्ती हुई थी।

इस मामले की सीधे तौर पर जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, 'बीते एक साल के दौरान सोने के आभूषणों की जब्ती में महत्वपूर्ण रूप से इजाफा हुआ है और कुल जब्त सोने में आभूषणों की हिस्सेदारी प्रमुख हो गई है। हम सोने की खेप मंगाए जाने के सभी मार्गों की निगरानी कर रहे हैं।' आधिकारिक स्रोतों ने बताया कि दक्षिण पूर्व एशिया से मंगाए जाने वाली खेपों की कड़ी जांच की गई है। इन रास्तों से सोना मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत वैध रूप से आता है। इसके अलावा अधिकारी म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। इसका कारण यह है कि यह सोने के तस्करों का पसंदीदा मार्ग है।

अधिकारी ने बताया, 'हम साझेदार कानून प्रवर्तन एजेंसियों का डेटा स्कैन कर रहे हैं। सोने की हरेक खेप पर नजर रख रहे हैं। इससे हम यह जांच कर सकेंगे कि इनका संबंध कहीं अवैध मार्ग आने वाले सोने से तो नहीं है।' इस बारे में जानकारी के लिए हमने सीबीआईसी को ईमेल किया गया है लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि देश में कुल तस्करी होने वाले किए जाने सोने में से केवल 5-10 फीसदी की जब्ती होती है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने बीते वर्ष आयात पर प्रतिबंध लगाने के इंतजाम किए थे और इसके तहत सोने के चुनिंदा आभूषणों व सामानों के आयात पर बंदिशें लगाई गई थीं। इन बंदिशों के तहत इन उत्पादों का आयात करने के लिए सरकार से लाइसेंस लेने की जरूरत होगी।

हालांकि यह नियम यूएई के साथ समग्र आर्थिक समझौते (CEPA) के शुल्क दर कोटा पर लागू नहीं होता है। भारत ने यूएई से मुक्त व्यापार समझौते के तहत 200 टन तक सोने के आयात पर दो फीसदी का कम शुल्क दर कोटा लागू किया है। इस तरह का अंकुश इंडोनेशिया से बढ़ते आयात की समस्या से निपटने के लिए है। दरअसल, भारत-आसियान एफटीए के तहत सोने के कुछ उत्पाद शुल्क मुक्त आयात किए जा रहे हैं और फिर सोने के इन उत्पादों को गलाकर भारत में आभूषण बनाए जा रहे हैं।

# ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-Op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai - 400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245
Email: kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com | Intercom : 4003, 3607

# सिल्वर सवा लाख...!

## कोई आश्चर्य नहीं कि 2025 में यह भाव देखने को मिले

सोना और चांदी लगातार निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं, और चांदी के रेट मई के आखरी सप्ताह में अपने ऑल टाइम हाई 97100 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए थे। तमाम भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, स्थिर मुद्रास्फीति और फेडरल ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण इस साल कीमती धातुओं में खास तौर से चांदी में उछाल आया है। घरेलू बाजारों में चांदी की कीमतें 20 प्रतिशत बढ़कर 97000 हजार रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं और 10 फीसदी के उपर - नीचे के उतार चढ़ाव पर तैर रही रही हैं, जबकि सोने की कीमतें 16 प्रतिशत बढ़कर 73000 प्रति 10 ग्राम के करीब चल रही हैं। देश में सिल्वर की खपत लगातार बढ़ने से उसी अनुपात में उसके रेट्स भी बढ़ने से माना जा रहा है कि सिल्वर के रेट्स में इसी साल लगभग 15 फीसदी का और इजाफा हो सकता है। इंटरनेशनल लेवल पर सिल्वर ट्रेड के जानकारों का कहना है कि सन 2025 तक सिल्वर सवा लाख तक भी पहुंच सकता है और किसी भी हाल में, 1 लाख 15 हजार का आंकड़ा छूना तो सिल्वर के लिए कोई मुश्किल बात नहीं लगती। इस हिसाब से तो कहा जा सकता है कि सिल्वर की महंगाई की रफ्तार पर रोक लगना कोई आसान खेल नहीं है।

ज्वेलरी के मामले में भी सिल्वर काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है, तो इंडस्ट्रीयल यूज के लगातार बढ़ते रहने के कारण भी सिल्वर की बढ़त में रफ्तार बनी हुई है। इसी वजह से ज्यादातर लोगों की नजर सिल्वर की बढ़ती कीमतों पर बनी रहती है। खास बात ये है कि सिल्वर ने रिटर्न देने के मामले में गोल्ड को भी पीछे छोड़ दिया है।

**सिल्वर की कीमतों को लेकर बाजार आशावादी हैं, क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्ता मजबूत हुई है। जब तक कि चीनी अर्थव्यवस्था में लंबे समय तक मंदी नहीं आती या वैश्विक विकास परिदृश्य में प्रतिकूल परिवर्तन नहीं होता, सिल्वर पर संकट नहीं है। दुनिया भर में जो हालात बन रहे हैं, उनके हिसाब से सिल्वर अगले तीन महीनों में 1 लाख के पार तक पहुंचने के लिए तैयार है, जिसमें 90 हजार रुपये महत्वपूर्ण समर्थन स्तर होगा। मतलब इससे नीचे सिल्वर का जाना आसान नहीं है। कोई आश्चर्य नहीं कि इस साल के अंत तक सिल्वर सवा लाख तक भी पहुंच सकता है।**

इलेक्ट्रिक वेहिकल, हाइब्रिड कार और सोलर पैनल में इसका इस्तेमाल होने की वजह से सिल्वर की डिमांड में अच्छा उछाल आ रहा है। ज्वेलरी यूज को पछाड़कर सिल्वर खास तौर से अब एक इंडस्ट्रियल मेटल की तरह डेवलप हो चुकी है। इसकी कीमतें 97 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की वजह यही है कि इसका इंटस्ट्रियल यूज लगातार बढ़ता जा रहा है। सबसे बड़ी बात ये है कि सिल्वर ने मई महीने में न सिर्फ गोल्ड बल्कि शेयर बाजार से मिलने वाले रिटर्न को भी कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है।

इस साल चांदी में लगभग 30 फीसदी का उछाल देखने को मिल रहा है, और उसी रफ्तार से सिल्वर की चमक बढ़ती रही, तो इसमें लगभग 50 फीसदी का उठछाल आने वाले कुछ ही महीनों में देखनो के मिल सकता है। साफ दिख रहा है कि इस हिसाब से तो सिल्वर के रेट 1 लाख 15 हजार से लेकर सवा लाख के बीच तेजी से पहुंच सकते हैं। बाजार के जानकार बताते हैं कि सिल्वर ने इस साल निवेशकों को अच्छे रिटर्न दिए हैं। साल 2024 में कॉमेक्स पर सिल्वर के रेट लगभग 30 फीसदी उछाल मार चुके हैं। एमसीएक्स पर भी सिल्वर अपने ऑल टाइम हाई रेट पर ट्रेंड करके फिर से उसी के आसपास पहुंच चुकी है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर के विभिन्न औद्योगिक देशों में ईवी और हाइब्रिड कारों की बहुत तेजी से लगातार बढ़ती डिमांड और बिजली के समस्त स्त्रोतों के तेजी से सूखते संकट के कारण सोलर एनर्जी पर बढ़ते फोकस से भी सिल्वर को बड़ा सहारा मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार भी सोलर एनर्जी पर लगातार फोकस

बढ़ाती जा रही है। देश के विभिन्न औद्योगिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों और घरेलू सोसायटियों में भी इसी के चलते सोलर पैनल की डिमांड में जबरदस्त तेजी आ रही है। अनुमान जताया जा रहा है कि सिल्वर की इंडस्ट्रियल डिमांड इस साल 10 फीसदी और बढ़ सकती है। अगर ऐसा हुआ, तो सिल्वर के रेट 1 लाख 10 हजार के पार भी 2025 तक पहुंच सकते हैं।

इस साल अब तक चांदी की कीमतों ने बढ़ोतरी से मामले में गोल्ड को पीछे छोड़ दिया है। घरेलू हाजिर बाजारों में, इस साल अब तक चांदी में करीब 20 फीसदी की तेजी आई है और यह 97000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करने तक पहुंच गई थी, लेकिन फिर से एक स्लोप आया और थोड़ी नीचे आने के बाद एक बार फिर से तेजी पकड़ने की राह पर है। दूसरी ओर, इस साल अब तक सोने की हाजिर कीमतों में करीब 16 फीसदी की तेजी आई है और गोल्ड अधिकतम 76000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करके थोड़ा सा नीचे उतरा है। देखा जाए, तो 20 मई को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में गोल्ड की कीमतें आधे प्रतिशत से अधिक बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, जबकि चांदी की कीमतों में एक प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई, क्योंकि पिछले सप्ताह के अमेरिकी डेटा से यह उम्मीद जगी थी कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस वर्ष दो बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

वैसे देखा जाए, तो गोल्ड व सिल्वर की कीमतें मोटे तौर पर एक समान चलती है और व्यापक आर्थिक अनिश्चितता, दुनिया के देशों के बीच के राजनीतिक संबंधों, मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कटौती के बीच इनमें बढ़ोतरी होती है। हालाँकि, सिल्वर का एक अतिरिक्त लाभ यह भी है कि यह एक औद्योगिक धातु है। और औद्योगिक मांग में लगातार हो रही तेज वृद्धि भी सिल्वर की मांग को बढ़ाने वाला एक अन्य सबसे महत्वपूर्ण कारण है। सिल्वर का उपयोग कई उद्योगों में किया जाता है, जिसमें सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर उत्पादित चांदी का लगभग 50 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग किया जाता है। जानकार कहते हैं कि सिल्वर का अनूठा आकर्षण एक कीमती और औद्योगिक धातु के रूप में इसकी दोहरी भूमिका में निहित है। खास बात ये है कि तेजी से बढ़ते सौर ऊर्जा उद्योग में इसकी मांग एक महत्वपूर्ण कारण है, क्योंकि फोटोवोल्टिक पैनलों के निर्माण के लिए सिल्वर बहुत ही आवश्यक तत्व है। सन 2024 में सिल्वर की वैश्विक मांग 1.2 बिलियन औंस तक पहुंचने की उम्मीद है, जो संभवतः अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर होगा। तो इसी से साफ है कि सिल्वर की डिमांड में बढ़ोतरी होगी तो रेट्स भी बढ़ेंगे ही।

**पूरी दुनिया में सिल्वर का 40 फीसदी इस्तेमाल नॉन इंडस्ट्रियल और 60 फीसदी इंडस्ट्रियल इस्तेमाल होता है। दुनिय के विभिन्न देशों की ओद्योगिक विकास की दरें बताती है कि इस साल इंडस्ट्रियल डिमांड में इजाफा बना रहेगा। इसके अलावा अगर फेडरेल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती होती है तो सिल्वर में इनवेस्टमेंट तेजी से बढ़ने लगेगा। अतः उम्मीद जताई जा रही है कि सिल्वर के रेट 1 लाख तो जल्दी ही हो जाएंगे, लेकिन अगला पड़ाव 1 लाख 15 हजार से लेकर सवा लाख के बीच का होगा।**

**रमेश जैन**
जीएम मॉड्युलर

हम सिल्वर ज्वेलरी मार्केट को देखते हैं तो ज्यादातर बिजनेसमेन सिल्वर की कीमतों के बारे में सकारात्मक हैं। हमारा अनुमान है कि अगर अर्थव्यवस्था में लंबे समय तक की स्थिरता आती तो अगले कुछ ही महीनों में सिल्वर 1 लाख के स्तर से भी आगे जा सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, सोलर पीवी पैनल निर्माताओं की ओर से सिल्वर की मांग 2030 तक लगभग 170 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, जो वर्तमान रुझानों के आधार पर लगभग 273 मिलियन औंस या कुल सिल्वर की मांग के लगभग पांचवें हिस्से तक पहुंच जाएगी। सोलर पीवी विनिर्माण में वैश्विक निवेश पिछले वर्ष दोगुना से अधिक होकर लगभग 80 बिलियन डॉलर हो गया, जो स्वच्छ प्रौद्योगिकी विनिर्माण में वैश्विक निवेश का लगभग 40 प्रतिशत है। चीन ने, विशेष रूप से, 2022 और 2023 के बीच सौर पीवी विनिर्माण में अपने निवेश को दोगुना से अधिक कर दिया है। इसके अलावा, सिल्वर जिसे अक्सर 'गरीब का गोल्ड' कहा जाता है, इसकी पहुंच और सामर्थ्य इसे निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए विशेष रूप से ज्वेलरी के रूप में पसंदीदा विकल्प बनाते हैं।

कुछ जानकार यह भी कहते हैं कि गोल्ड के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से सिल्वर से बनी ज्वेलरी की मांग में भी बहुत तेज सुधार हुआ है। मुंबई सहित देश भर के ज्वेलर्स सिल्वर ज्वेलरी में कदम बढ़ाते रहे हैं, जो अब और तेज हो रहे हैं। खास तौर से युवा पीढ़ी सिल्वर ज्वेलरी की तरफ दुनिया भर में बहुत तजी से आकर्षित हो रही है। सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, सिल्वर की ज्वेलरी की वैश्विक मांग में 6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जिसका नेतृत्व भारत करेगा। मतलब यह है कि भारत में सिल्वर ज्वेलरी की डिमांड बढ़ेगी और दुनिया भर के देशों की सिल्वर ज्वेलरी की आपूर्ति भी भारत ही करेगा। खास बात यह है कि वैश्विक स्तर पर सिल्वर बाजार में चीन की भूमिका बढ़ रही है। चीन इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा और विनिर्माण सहित विभिन्न उद्योगों में एक प्रमुख उत्पादक देश है, जहां सिल्वर का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इसलिए, चीन सहित भारत में भी इस क्षेत्र में वृद्धि लंबे समय तक सिल्वर की मांग में योगदान देती रहेगी। कहना यही होगा कि सिल्वर वह कीमती धातु है, जिसकी खरीदी में अल्प से मध्यम अवधि तक का परिदृश्य बेहद उज्ज्वल है। सिल्वर क्षेत्र के जनकार कहते हं कि आने वाले वर्षों में सिल्वर की औद्योगिक मांग में लगातार वृद्धि के कारण यह गोल्ड से भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। यदि फेड 2024 में ब्याज दरों में कटौती करना शुरू कर देता है, तो इससे सिल्वर की कीमतों में अतिरिक्त वृद्धि होगी, आर्थिक गतिविधियों में और तेजी आएगी और अंततः, इससे औद्योगिक धातु चांदी की मांग बढ़ेगी। तो सिल्वर के रेट्स निश्चित तौर से 1 लाख 15 हजार से लेकर सवा लाख तक भी पहुंचते देर नहीं लगेगी।

**जयेश राठौड़**
ऑर्नामेंट क्रिएशन

ऐतिहासिक रूप से सिल्वर की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है और उतार-चढ़ाव गोल्ड की तरह ही सकारात्मक देखने को मिल रहा है, लेकिन कमाई के मामले में सिल्वर में उच्च रिटर्न देखा जा रही है। ज्वेलरी निर्माताओं के लिए बी भारत में सिल्वर की चमक बढ़ रही है।

**ललीत कोठारी**
मुंबई

बाजार में हम देखते हैं कि सिल्वर की कीमत में गोल्ड की तुलना में अधिक उतार-चढ़ाव होता है।लेकिन जैसे जैसे इसकी खपत बढ़ती जा रही है, उसी के अनुपात में इसके रेट्स भी लगातार बढ़ रहे हैं, को तो जल्दी ही सिलेवर सवा लाख की तरफ कदम बढ़ा सकता है।

**इन्द्रजीत सुराणा**
सुराणा सिल्वर

सिल्वर केवल ज्वेलरी के रूप में सहेजने या निवेश की धातु नहीं बल्कि औद्योगिक क्षेत्रों में भी इसका यूज बहुत ज्यादा होने के कारण गोल्ड की तुलना में अधिक लाभदायक है। आने वाले 3 महीनों में ही सिल्वर 1 लाख के स्तर को छू सकती है, और आगे भी जा सकती है।

# VIERA®

CZ JEWELLERY

Office No. 16-17, 1st floor, Raj Baug com,
Premises, 55 Tambe Kata, Above B Bhagat Tarachand Hotel,
Pydhonie, Mumbai - 400003.
Tel : 022 61838396 | I.com : 8396
Email : orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

आपके अटल विश्वास और
अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

# Sakariya Jewels

**Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery**
**& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)**

177/179, Laxmi House,
Ground Floor, Near Cotton Exchange
Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 I.Com: 7285

# Sakariya

JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

**177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor, Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002**
**Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283**

# चार में महीने में 24 टन सोना, आखिर इतना गोल्ड जमा क्यों कर रहा आरबीआई?

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस साल जनवरी से अप्रैल तक चार महीनों में अपने भंडार में 24 टन सोना जोड़ा है। भू-राजनीतिक तनाव के बीच अस्थिरता से बचने के लिए केंद्रीय बैंक अपने रिजर्व को डाइवर्सिफाई कर रहा है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक उसने इस साल के पहले चार महीनों में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब लगभग डेढ़ गुना सोना खरीदा है। पिछले साल जनवरी से अप्रैल के दौरान आरबीआई ने अपने गोल्ड रिजर्व में 16 टन की बढ़ोतरी की थी। बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 26 अप्रैल 2024 तक आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के हिस्से के रूप में 827.69 टन सोना था, जो दिसंबर के अंत तक 803.6 टन था।

**सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी देखने को मिली है और यह रोज-रोज नए रेकॉर्ड बना रहा है। इसकी एक वजह यह है कि दुनियाभर के सेंट्रल बैंक सोने की जमकर खरीद कर रहे हैं। खासकर भारत, चीन और तुर्की के केंद्रीय बैंकों में सोना खरीदने की होड़ मची है।**

भारत सोने के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक रहा है, लेकिन देश का केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार को जमा करने में शायद ही कभी इतना सक्रिय रहा हो। साल 1991 में जब देश को विदेशी मुद्रा संकट का सामना करना पड़ा था, तब केंद्रीय बैंक ने अपने सोने के भंडार का एक हिस्सा गिरवी रख दिया था। सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना हुई थी। हालांकि सारा सोना केंद्रीय बैंक के खजाने में वापस आ गया है, लेकिन उसने दिसंबर 2017 से ही बाजार खरीद के जरिए अपने स्टॉक को जोड़ना शुरू किया। 2022 में बैंक ने बाजारों से जमकर सोना खरीदा था। पिछले साल 2023 आरबीआई ने सोने की कम खरीद की लेकिन इस साल फिर वह आक्रमक तरीके से सोना खरीद रहा है।

**विदेशी मुद्रा भंडार में सोना**

कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 के अंत तक 7.75 प्रतिशत थी जो अप्रैल 2024 के अंत तक लगभग 8.7 प्रतिशत हो गई। वॉल्यूम के अलावा, केंद्रीय बैंक सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण वैल्यूएशन लाभ भी कमा रहा है। अधिकांश अन्य उभरते बाजार केंद्रीय बैंकों की तरह, आरबीआई भी करेंसी में अस्थिरता के विरुद्ध बचाव के लिए अपने भंडार में विविधता ला रहा है। आरबीआई के अर्थशास्त्रियों ने इकॉनमी की स्थिति के आकलन करते हुए कहा है कि वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंक बड़े पैमाने पर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। 2024 की पहली तिमाही में उन्होंने 290 टन सोना खरीदा। यह कुल वैश्विक सोने की मांग का एक चौथाई हिस्सा है।

# लैब में तैयार हो रहे हीरे की कीमतें गिरीं

मुंबई। सिंथेटिक डायमंड की कीमतें लगातार नीचे आ रही हैं। लेकिन इसके बाद भी ग्राहक ज्यादा कीमतें चुका रहे हैं। ग्लोबल मार्केट्स में ओवरप्रोडक्टशन के कारण *FY24* में इंडियन लैब ग्रोन डायमंड की कीमतों में 45 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन ज्यादा कीमत बाजार में वसूली जा रही है।

गोल्ड महंगा होने से लोगों का एलजीबी की ओर थोड़ा आकर्षण बढ़ा है। लोगों को लग रहा है कि उन्हें अच्छी डील मिल रही है। लेकिन ऐसा नहीं है। सिंथेटिक डायमंड की ट्रेड 99 पर्सेंट के लो पर हो रही है। इसकी कीमतों का कोई फिक्स पैमाना नहीं है। इसकी वजह से बड़े ज्वेलरी कारोबारी अभी इससे दूर हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि नेचुरल डायमंड की तुलना में एलजीडी बहुत सस्ते होते हैं। यह वैसे ही दिखते भी हैं। अमेरिका जैसे बाजारों में इनकी ज्यादा बिक्री होती है। भारत में सरकारी प्रोत्साहन के चलते सेल्स जोर पकड़ रही है।

## लोग इस वजह से चुका रहे ज्यादा दाम

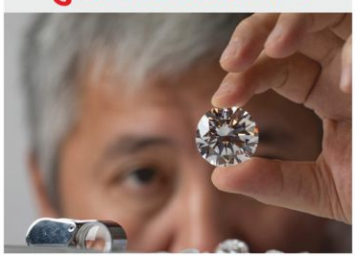

हालांकि कुछ इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ ज्वेलर्स इसलिए भी लैब ग्रोन को पुश कर रहे हैं, जिससे बड़ा प्रॉफिट मार्जिन पाया जा सके। मैत्री लैब ग्रॉवन डायमंड के डायरेक्टर शाजिल शाह के मुताबिक, एलजीडी की कीमतों में गिरावट की एक वजह यह भी है कि प्रोडक्शन के लिए अचानक बहुत सारे लोग मैदान में आ गए हैं। अब सिंथेटिक डायमेंड की कीमतों में गिरावट से मैन्युफैक्चरर्स को नुकसान हो रहा है। नेचुरल डायमंड में अग्रणी रिटेलर जयपुर जेम्स के सीईओ सिद्धार्थ सचेती के मुताबिक, लैब ग्रोन जब शुरू हुआ था, तब नेचुरल डायमंड से यह 65-70 पर्सेंट तक सस्ता मिल जाता था। लेकिन बाद में जब हर कोई लैब में झटपट डायमंड बनाने लगा तो इसकी ओवरसप्लाई होने लगी। हाल यह है कि रेपापोर्ट प्राइस के मुताबिक, नेचुरल डायमंड से 60-70 पर्सेंट के डिस्काउंट पर मिलने वाला एलजीडी 99.9 पर्सेंट डिस्काउंट पर मिल रहा है। रेपापोर्ट प्राइस में एलजीडी की प्राइस को नेचुरल डायमंड के मुताबिक तय किया जाता है।

- सुधा श्रीमाली

# Jewelfolio

House of Pomani's

## Natural Diamonds - Better Polki's - LuvGrown Solitaires

744 916 3 916 jewel_folio www.jewelfolio.in jewelfolio@gmail.com

Glitz Mall, Shop No. A-103-106, 99-Vitthalwadi, Kalbadevi Road, Mumbai 400002. INDIA.

Gautam Pomani +91 98212 37189 Anant Pomani +91 77380 49201

# OPENING & CLOSING RATES

## 1-31 May 2024

**Note:** 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday
3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

**RATE CHART**

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

| Date | Gold 999 (AM Price) | Gold 999 (PM Price) | Gold 995 (AM Price) | Gold 995 (PM Price) | Gold 916 (AM Price) | Gold 916 (PM Price) | Silver 999 (AM Price) | Silver 999 (PM Price) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 10 Gms | 10 Gms | 10 Gms | 10 Gms | 10 Gms | 10 Gms | 1 Kg | 1 Kg |
| 01-May-24 | Market Holiday | | | | | | | |
| 02-May-24 | 71670 | 71327 | 71383 | 71041 | 65650 | 65336 | 80119 | 79719 |
| 03-May-24 | 71321 | 71191 | 71035 | 70906 | 65330 | 65211 | 80227 | 79989 |
| 04-May-24 | SAT | | | | | | | |
| 05-May-24 | SUN | | | | | | | |
| 06-May-24 | 71621 | 71816 | 71334 | 71528 | 65605 | 65784 | 80965 | 81292 |
| 07-May-24 | 71775 | 71668 | 71488 | 71381 | 65746 | 65648 | 81500 | 81661 |
| 08-May-24 | 71725 | 71645 | 71438 | 71358 | 65700 | 65627 | 81663 | 81542 |
| 09-May-24 | 71624 | 71502 | 71337 | 71216 | 65608 | 65496 | 82296 | 82342 |
| 10-May-24 | 72633 | 73008 | 72342 | 72716 | 66532 | 66875 | 84152 | 84215 |
| 11-May-24 | SAT | | | | | | | |
| 12-May-24 | SUN | | | | | | | |
| 13-May-24 | 72490 | 72164 | 72200 | 71875 | 66401 | 66102 | 83265 | 83494 |
| 14-May-24 | 72202 | 72335 | 71913 | 72045 | 66137 | 66259 | 84080 | 84080 |
| 15-May-24 | 72725 | 72934 | 72434 | 72642 | 66616 | 66808 | 84206 | 84505 |
| 16-May-24 | 73476 | 73438 | 73182 | 73144 | 67304 | 67269 | 85700 | 86230 |
| 17-May-24 | 73387 | 73383 | 73093 | 73089 | 67223 | 67219 | 86271 | 86373 |
| 18-May-24 | SAT | | | | | | | |
| 19-May-24 | SUN | | | | | | | |
| 20-May-24 | Market Holiday | | | | | | | |
| 21-May-24 | 74222 | 74214 | 73925 | 73917 | 67987 | 67980 | 92444 | 92873 |
| 22-May-24 | 74114 | 74040 | 73817 | 73783 | 67888 | 67857 | 93094 | 92886 |
| 23-May-24 | 72791 | 72826 | 72500 | 72534 | 66677 | 66709 | 89410 | 90055 |
| 24-May-24 | 71952 | 72028 | 71664 | 71740 | 65908 | 65978 | 89697 | 89762 |
| 25-May-24 | SAT | | | | | | | |
| 26-May-24 | SUN | | | | | | | |
| 27-May-24 | 72162 | 72191 | 71873 | 71902 | 66100 | 66127 | 90590 | 90811 |
| 28-May-24 | 72336 | 72291 | 72046 | 72002 | 66260 | 66219 | 92522 | 93120 |
| 29-May-24 | 72625 | 72413 | 72334 | 72123 | 66525 | 66330 | 94280 | 94118 |
| 30-May-24 | 71990 | 72115 | 71702 | 71826 | 65943 | 66057 | 92680 | 92673 |
| 31-May-24 | 72115 | | 71965 | | 66185 | | 91793 | |

## वित्त वर्ष 24 में निवेशकों ने खरीदे 27,000 करोड़ रुपये के सरकारी गोल्ड बॉन्ड-RBI

अधिक रिटर्न और कर लाभ की संभावनाओं से सरकारी स्वर्ण बॉन्ड की तरफ रुझान बढ़ रहा है। निवेशकों ने पिछले वित्त वर्ष में 27,031 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे जो 2022-23 में खरीदे गए स्वर्ण बॉन्ड का चार गुना हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (SGB) के जरिये 44.34 टन सोने की खरीद 6,551 करोड़ रुपये में की गई। बॉन्ड जारी करने वाले रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान SGB से जुटाई गई कुल राशि 27,031 करोड़ रुपये (44.34 टन) है। पिछले वित्त वर्ष में SGB को चार चरणों में जारी किया गया था। नवंबर, 2015 में SGB योजना की शुरुआत के बाद से 67 चरणों में कुल 72,274 करोड़ रुपये (146.96 टन) जुटाए गए हैं। पिछले एक साल में 24 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 62,300 रुपये से बढ़कर 73,200 रुपये हो गई है। निवेश सलाहकार नवीन माथुर का कहना है कि गोल्ड की कीमतों में आगे भी तेजी की संभावना बन रही है। हमने देखा है कि सोने की मांग केंद्रीय बैंकों, ईटीएफ और व्यक्तिगत खपत से बढ़ी है। इसलिए जो शुद्ध निवेशक हैं वे फिजिकल रूप से गोल्ड खरीदने के झंझट में नहीं पड़ना चाहते। इसलिए, वे स्वक्रके लिए जा रहे हैं। ऐसे में सेकेंडरी मार्केट में उपलब्ध गोल्ड बॉन्ड में निवेश को लेकर निवेशकों में उत्सुकता है।

SGB सोने के ग्राम में अंकित होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां हैं। ये भौतिक सोने का विकल्प हैं। ये बॉन्ड पूंजीगत लाभ कर से भी मुक्त हैं। इसके अलावा, बॉन्ड पर शुरुआती निवेश की राशि पर सालाना 2.50 प्रतिशत की दर से ब्याज भी मिलता है। SGB एक ग्राम सोने के मूल्य-वर्ग तथा उसके गुणकों में जारी किए जाते हैं। न्यूनतम निवेश एक ग्राम होना चाहिए जबकि व्यक्तियों के लिए अधिकतम चार किलोग्राम निवेश की सीमा है। सरकारी स्वर्ण बॉन्ड राष्ट्रीयकृत बैंकों, अधिसूचित निजी बैंकों, विदेशी बैंकों, नामित डाकघरों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और अधिकृत शेयर बाजारों के कार्यालयों या शाखाओं के जरिये सीधे या उनके एजेंटों के जरिये बेचे जाते हैं।

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687


# Shree vardhaman JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :

**ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS**


8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687
Email : shreevardhamanjew@gmail.com

**Madhuban Toyota**
A fresh experience in customer delight

TOYOTA TRUST
Buy | Sell | Exchange - Used cars

TOYOTA

Conquer any terrain with

# CONFIDENCE STYLE

PRESENTING THE UNBEATABLE
TOYOTA HILUX & TOYOTA FORTUNER

Your *Awesome*

**companions for the road ahead**

*T & C Apply

**LOWEST DOWNPAYMENT**
**Rs.88,888/-***

**LOWEST DOWNPAYMENT**
**Rs.99,999/-***

## ATTRACTIVE EXCHANGE BENEFITS

Kurla / Bandra / Lower Parel / Breach Candy

02242431999 / +919819797976

**BOOK A TEST DRIVE TODAY**

# हीरे की शिक्षा और कैरियर पथ में इसका महत्व

हीरा शिक्षा से तात्पर्य हीरे की व्यापक समझ से है, जिसमें उनकी विशेषताओं, ग्रेडिंग, सोर्सिंग और बाजार मूल्य को शामिल किया गया है। यह हीरा उद्योग से संबंधित विभिन्न करियर पथों, जैसे रत्न विज्ञान, आभूषण डिजाइन, बिक्री और मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां हीरे की शिक्षा और कैरियर विकास में इसके महत्व का विस्तृत अवलोकन दिया गया है।

**1. हीरे की विशेषताओं को समझना**

हीरे की शिक्षा में 4सी के बारे में सीखना शामिल है- कैरेट वजन, कट, रंग और स्पष्टता। ये कारक हीरे की गुणवत्ता और मूल्य निर्धारित करते हैं। कैरेट वजन हीरे के आकार को मापता है, कट उसके अनुपात और प्रतिबिंबित गुणों को दर्शाता है, रंग रंगहीन से हल्के पीले तक होता है, और स्पष्टता आंतरिक या बाहरी दोषों की उपस्थिति का आकलन करती है।

**2. ग्रेडिंग और प्रमाणीकरण**

हीरा उद्योग में पेशेवरों को हीरों की सटीक ग्रेडिंग और मूल्यांकन करने के कौशल की आवश्यकता होती है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जेमोलॉजी (आईआईजी) जैसे संगठन ऐसे पाठ्यक्रम पेश करते हैं जो व्यक्तियों को मानकीकृत मानदंडों का उपयोग करके हीरे का मूल्यांकन करना सिखाते हैं। ग्रेडिंग की गहन समझ उद्योग में पारदर्शिता और विश्वास बनाए रखने में मदद करती है।

**3. नैतिक सोर्सिंग**

हीरा शिक्षा हीरे की सोर्सिंग के नैतिक और पर्यावरणीय पहलुओं को भी शामिल करती है। विवाद-मुक्त हीरों और नैतिक खनन प्रथाओं के बारे में ज्ञान उन पेशेवरों के लिए आवश्यक है जो यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वे जिम्मेदारी से प्राप्त हीरों के साथ काम कर रहे हैं।

**4. आभूषण डिजाइन और विनिर्माण**

आभूषण डिजाइनरों और निर्माताओं के लिए, हीरे को समझना उन टुकड़ों को बनाने के लिए आवश्यक है जो पत्थरों की सुंदरता और मूल्य को दर्शाते हैं। हीरे की शिक्षा में एक ठोस आधार डिजाइनरों को अपनी रचनाओं के लिए सही पत्थरों का चयन करने और उन्हें अपने डिजाइनों में प्रभावी ढंग से शामिल करने में सक्षम बनाता है।

**5. बिक्री और विपणन**

हीरे की बिक्री और विपणन में शामिल पेशेवरों को संभावित खरीदारों तक उत्पाद के मूल्य को प्रभावी ढंग से बताने के लिए हीरे के ज्ञान की मजबूत समझ की आवश्यकता होती है। 4सी को समझाने, हीरे की विशिष्टता के बारे में जानकारी प्रदान करने और ग्राहकों के प्रश्नों का समाधान करने की क्षमता बिक्री प्रक्रिया को बढ़ाती है।

**6. मूल्यांकन और मूल्यांकन**

हीरे के मूल्यांकनकर्ताओं को बीमा, पुनर्विक्रय या संपत्ति उद्देश्यों के लिए हीरों के मूल्य का सटीक आकलन करने की आवश्यकता है। बाजार के रुझान, दुर्लभता और हीरे की कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने के लिए गहन हीरे की शिक्षा महत्वपूर्ण है।

**कैरियर पथ में महत्व**

राहुल देसाई

हीरे की शिक्षा जेमोलॉजी का एक हिस्सा है, जो हीरे और आभूषण उद्योग से संबंधित विभिन्न करियर पथों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां इसके महत्व पर एक विस्तृत नजर डाली गई है।

**1. विशेषज्ञता और विश्वसनीयता** रत्न विज्ञान में शिक्षा हीरे, उनकी विशेषताओं और गुणवत्ता कारकों के बारे में गहन ज्ञान प्रदान करती है। यह विशेषज्ञता उद्योग में पेशेवरों को विश्वसनीयता प्रदान करती है, जिससे वे हीरे से संबंधित मामलों पर विश्वसनीय अधिकारी बन जाते हैं।

**2. गुणवत्ता मूल्यांकन** शिक्षा प्राप्त हीरा पेशेवर हीरों की गुणवत्ता और मूल्य का सटीक आकलन कर सकते हैं। यह कौशल रत्न मूल्यांकनकर्ताओं, आभूषण डिजाइनरों और खुदरा विक्रेताओं के लिए ग्राहकों को सटीक मूल्य निर्धारण और सिफारिशें प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है।

**3. एथिकल सोर्सिंग** डायमंड शिक्षा में अक्सर एथिकल सोर्सिंग और स्थिरता प्रथाओं की जानकारी शामिल होती है। यह हीरे की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, जो हीरे की जिम्मेदार और नैतिक सोर्सिंग सुनिश्चित करते हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए तेजी से महत्वपूर्ण है।

**4. करियर के अवसर** कई करियर सीधे तौर पर हीरों से जुड़े होते हैं, जैसे जेमोलॉजिस्ट, डायमंड ग्रेडर, आभूषण मूल्यांकनकर्ता और आभूषण डिजाइनर। रत्न विज्ञान में एक मजबूत शैक्षिक आधार होने से इन क्षेत्रों में नौकरी के विभिन्न अवसर खुलते हैं।

**5. उद्यमिता** हीरे की शिक्षा प्राप्त व्यक्ति आभूषण डिजाइन, विनिर्माण या खुदरा क्षेत्र में अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। वे हीरे के चयन, मूल्य निर्धारण और गुणवत्ता के संबंध में आत्मविश्वास से सूचित निर्णय ले सकते हैं, जो व्यवसाय की सफलता के लिए आवश्यक हैं।

**6. उपभोक्ता विश्वास** हीरे खरीदते समय ग्राहक पेशेवरों की विशेषज्ञता को महत्व देते हैं। एक प्रमाणित रत्नविज्ञानी या हीरा विशेषज्ञ ग्राहकों के साथ विश्वास कायम कर सकता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें सटीक जानकारी और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्राप्त हों, जिससे बार-बार व्यापार और रेफरल हो सकते हैं।

**7. अनुसंधान और नवाचार** रत्नविज्ञानी अक्सर अनुसंधान और नवाचार में लगे रहते हैं, हीरे की कटाई, उपचार और पहचान के लिए नई तकनीकों की खोज करते हैं। यह उद्योग की प्रगति में योगदान देता है और हीरे से संबंधित प्रौद्योगिकी में सफलता हासिल कर सकता है।

**8. बीमा और मूल्यांकन** बीमा कंपनियां बीमा उद्देश्यों के लिए हीरे के मूल्य का आकलन करने के लिए प्रमाणित रत्न विशेषज्ञों पर भरोसा करती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि ग्राहकों को उनकी मूल्यवान संपत्तियों के लिए पर्याप्त कवरेज मिले।

**9. अनुपालन और विनियमन** उद्योग के नियमों और मानकों के अनुपालन के लिए रत्न विज्ञान का ज्ञान आवश्यक है। यह हीरा व्यापार और निर्यात/आयात गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

**10. वैश्विक अवसर** हीरे की शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जिससे पेशेवरों को विभिन्न देशों में काम करने और वैश्विक हीरा व्यापार में शामिल होने, अपने करियर क्षितिज का विस्तार करने की अनुमति मिलती है।

**11. हीरा शिक्षा** हीरे की शिक्षा केवल पारंपरिक हीरे से संबंधित भूमिकाओं में कैरियर के अवसरों को नहीं बढ़ाती है। यह शिक्षा, अनुसंधान और यहां तक कि उद्यमिता में पदों के लिए भी द्वार खोलता है। हीरों के प्रति जुनून रखने वाले लोग हीरा शिक्षक, सलाहकार के रूप में अपना करियर बना सकते हैं या हीरा उद्योग में अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। संभावनाएं हीरे की तरह ही विविध हैं।

**12. ऑनलाइन डायमंड शिक्षा** प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, ऑनलाइन डायमंड शिक्षा ने लोकप्रियता हासिल की है और पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गई है। ऑनलाइन पाठ्यक्रम और संसाधन लचीलापन और सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे व्यक्तियों को अपनी गति से और अपने घरों में आराम से सीखने की अनुमति मिलती है। ऑनलाइन हीरा शिक्षा में यह वृद्धि उन लोगों के लिए नए अवसर प्रस्तुत करती है जो हीरा उद्योग में अपना करियर बनाना चाहते हैं या अपने मौजूदा ज्ञान का विस्तार करना चाहते हैं। संक्षेप में, हीरे और आभूषण उद्योग में करियर बनाने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए हीरे की शिक्षा अपरिहार्य है। यह गुणवत्ता मूल्यांकन, नैतिक के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। इस विशिष्ट क्षेत्र में एक सफल कैरियर या व्यवसाय की सोर्सिंग और निर्माण करना। इसके अतिरिक्त, यह उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाता है, नवाचार को बढ़ावा देता है, और वैश्विक हीरा उद्योग के भीतर अवसरों की दुनिया खोलता है और अंततः व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में योगदान देता है। हीरे की शिक्षा में निवेश करने से कई व्यावसायिक लाभ मिलते हैं। यह किसी की विश्वसनीयता और व्यावसायिकता को बढ़ाता है, जिससे उन्हें नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। नियोक्ता ऐसे व्यक्तियों को महत्व देते हैं जिन्होंने अपने चुने हुए क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार करने की पहल की है। डायमंड शिक्षा व्यक्तियों को उद्योग की व्यापक समझ भी प्रदान करती है, जिससे वे जटिल चुनौतियों से निपटने और सूचित निर्णय लेने में सक्षम होते हैं।

# अभी तो और बढ़ेगी गोल्ड की चमक

## गोल्ड थोड़ा सा नीचे उतरकर पहले 80 हजार, फिर सीधा 1 लाख के पार

गोल्ड का वैश्विक व्यापार परिदृश्य काफी उत्सुकता जगा रहा है, रेट 75 हजार के आसपास घूम रहे हैं और थोड़े से आगे पीछे भी हो रहे हैं, फिर भी साफ तौर पर कहा जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर गोल्ड बिजनेस लगातार विकसित हो रहा है और कोई आश्चरिय नहीं कि एक बार 69 हजार तक के बेसप्राइस तक नीचे जाने के बाद फिर से तेजी पकड़ता हुआ इसी वित्तीय वर्ष में 1 लाख तक भी पहुंच जाए। इसके पीछे तर्क यही है कि भारत में गोल्ड की डिमांड लगातार बढ़ रही है, दुनिया भर के देश गोल्ड खरीद रहे हैं और भले ही चीन ने फिलहाल गोल्ड की खरीदी कम कर दी हो, लेकिन अंततः उसे भी गोल्ड खरीदे बिना अर्थव्यवस्था को बैलेंस करना आसान नहीं होगा। इसी कारण 2024 के अंत तक 900 टन से भी ज्यादा हो जाने की उम्मीद है और उसके पार जाते ही रेट सीधे 1 लाख तक पहुंच सकते हैं। वैसे भी भारत का गोल्ड रिजर्व बढ़कर अब 817 टन पर पहुंच गया है जिसके और बढ़ने के आसार हैं, क्योंकि खरीदी जारी है। खरीदी जारी रखने के पीछे सबसे बड़ा कारण है कि देश की अर्थव्यवस्था को बैलेंस किए रखना है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इस साल लगातार गोल्ड की खरीदारी करता जा रहा है। इस साल के शुरूआती महीनों यानी जनवरी, फरवरी में भी गोल्ड की खरीदारी का यह सिलसिला रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बरकरार रहा। भारत ने चुनाव की घोषणा से पहले के दो महीने में 13 टन से ज्यादा गोल्ड की खरीदी की है। इसके साथ ही फरवरी के अंत तक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का गोल्ड रिजर्व

**दुनिया भर के देश गोल्ड का संचय बढ़ा रहे हैं, तो इसके रेट तो बढ़ने ही थे। भारत ने भी आम चुनाव घोषित होने से पहले के दो महीनों में जमकर गोल्ड की खरीदी की। जनवरी - फरवरी में भारत ने कुल 13 टन गोल्ड खरीदा है। अब भले ही चीन ने खरीदी धीमी कर दी है, तो गोल्ड के रेट थोचटे से नीचे आ गए हैं, लेकिन यह लंबे समय तक रहनेवाला माहौल नहीं है, गोल्ड को तो आगे ही जाना है।**

बढ़कर अब 817 टन पर पहुंच गया है और माना जा रहा है कि खरीदी जारी रहेगी, तो रेट भी लगातार उपर की तरफ ही जाते दिख रहे हैं।

भारत का जेम एंड ज्वेलरी निर्यात दुनिया में सबसे बड़ा है। खास तौर से गोल्ड व डायमंड ज्वेलरी का इसमें सबसे बड़ा योगदान है। जैसे जैसे भारत में ही नहीं, दुनिया भर में गोल्ड के रेट्स बढ़ते जा रहे हैं, गोल्ड ज्वेलरी का निर्यात व खपत भी लगातार बढ़ती जा रही है। भारत ने बीते साल 2023 में वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी की खपत में 4.3 प्रतिशत का बढ़ोतरी हुई, इसी कारण माना जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर गोल्ड ज्वेलरी के कारोबार में भारतीय बाजार 2024 में और बढ़ने की संभावना है। माना जा रहा है कि भारत का गोल्ड ज्वेलरी कारोबार 2027 तक 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वैश्विक स्तर पर, भारत 2021 में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ डायमंड का शीर्ष निर्यातक था और खास बात यह है कि गोल्ड ज्वेलरी के मामले में भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और भारत की सोने की मांग 2024 में 900 टन तक पहुंचने की उम्मीद है और गोल्ड व ज्वेलरी बाजार पर नजर रखने वाले मानते हैं कि गोल्ड अगर एक लाख के पार भी गया, तो भी यह तेजी थमने वाली नहीं है, क्योंकि गोल्ड जैसे जैसे तेजी पकड़ेगा, वैसे वैसे इसकी खरीदी बढ़ती रहेगी, क्योंकि लोग चढ़ते रेट में गोल्ड खरीदते हैं और उतरते रेट में इस उम्मीद में खरीदी रोक देते हैं कि अभी तो और नीचे उतरेगा। दुनिया भर में गोल्ड ज्वेलरी के मामले में भारत का बड़ा नाम इस कारण भी है क्योंकि यहां कारीगरी बेहद सस्ती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट देखें, तो जनवरी 2024 में भारत का गोल्ड ज्वेलरी निर्यात तेजी से बढ़कर 35.43

बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया।

बीते कुछ महीनों में दुनिया भर के देशों के सेंट्रल बैंक्स ने गोल्ड की जमकर खरीददारी की है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है महंगाई को रोकने के लिए मुद्रास्फीति को बैलैंस करना। केंद्रीय बैंकों की जमकर गोल्ड खरीदी के कारण ही गोल्ड की कीमतों का परवान चढ़ना सबसे बड़ा कारण रहा है। इसी कारण गोल्ड की कीमतों में फिलहाल रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही है। हालांकि, इन दिनों घरेलू बाजार में जहां गोल्ड 73 हजार के स्तर पर है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें, तो आने वाले दिनों में इसके और तेज होने के ही संकेत हैं। भले ही कुछ दिन के लिए गोल्ड के रेट 5 फीसदी नीचे उतर कर 69 हजार के स्तर पर पहुंच जाएं, लेकिन फिर तेजी से छलांग मारकर फिर से 75 हजार के पार पहुंचने से इसे कोई रोक नहीं सकता। गोल्ड की खरीदी के मामलों को देखें, तो पिछले साल, यानी नवंबर और दिसंबर 2023 में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने गोल्ड की खरीदारी से थोड़ा सा परहेज किया था। लेकिन इस साल के पहले दो महीनों यानी जनवरी और फरवरी में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की गोल्ड की खरीददारी तेजी से बढ़कर 20 महीने के अपने सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की तरफ से फरवरी 2024 के दौरान कुल 19 टन गोल्ड की खरीद की गई, जबकि दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने जनवरी 2024 के दौरान नेट 45 टन सोना खरीदा था। मतलब, साफ तौर पर फरवरी में गोल्ड की खरीद 58 फीसदी कम हई। मगर, दोनों महीनों को खरीदी को जोड़कर देखें, तो इस साल के पहले दो महीने के दौरान ही दुनिया भर के देशों द्वारा 64 टन गोल्ड की खरीदारी की गई है। जो कि 2022 की इसी अवधि के मुकाबले यह चार गुना ज्यादा है। तो साफ तौर पर कहा जा सकता है कि गोल्ड के रेट अभी और ऊपर ही जाएंगे।

गोल्ड के ग्लोबल मार्केट में बीते दिनों दिखी तूफानी तेजी के बीच गोल्ड की घरेलू कीमतों में तेजी साफ तौर पर देखी जा रही है। गोल्ड पिछले माह 76 हजार को पार करके 73 हजार के नीचे ट्रेड कर रहा है, और आने वाले दिनों में यह 69 हजार तक भी नीचे जा सकता है, तो इसका मतलब ये तो कतई नहीं माना जाना चाहिए कि गोल्ड अब और सस्ता होगा। बाजार के जानकार मान रहे हैं जैसे जैसे दुनिया भर के रिजर्व बैंटक्स की तरफ से गोल्ड की खरीदी फिर शुरू होगी, गोल्ड के रेट आगे आगे दौड़ेंगे। यानी पिछले दिनों गोल्ड में जो रिकॉर्ड तोड़ मजबूती देखी गई थी, वह भी पीछे छूट सकती है और गोल्ड के भाव 80 हजार के पार तो आने वाले कुछ ही दिनों में पहुंच सकते हैं। दुनिया भर में, गोल्ड के तीन सबसे महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र लंदन ओटीसी बाजार, यूएस वायदा बाजार और शंघाई गोल्ड एक्सचेंज हैं। इन्हीं तीनों बाजारों में वैश्विक व्यापार का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं। गोल्ड के रेट्स तय करने में भी इन्हीं बाजारों के निर्धारण के तत्व शामिल होते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काइंसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इन तीनों ही वैश्विक मार्केटस के एक्सपर्ट्स का मानना है कि दुनिया में जाहे कुछ भी हो जाए, गोल्ड आने वाले दिनों में तेजी पकड़ते हुए फिर से 77 हजार के पार पहुंच कर 80 हजार के आसपास भी पहुंच सकता है।

बढ़ती महंगाई, और घटती मुद्रास्फीति से गड़बड़ाती हुई अर्थव्यवस्था को बैलेंस करने के लिए दुनिया भर के देशों की नजर गोल्ड पर है। ऐसे में चढ़ते गोल्ड को किसी भी हाल में थामे रखना आसान नहीं है। भारत में गोल्ड पर सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान होने का सबसे बड़ा कारण भी एक ही है कि हमारे देश में गोल्ड को सामान्य व्क्ति भी अपनी संपत्ति का हिस्सा बनाकर अपना आर्थिकी को सुधारने के साधन के रूप में देखता है। वैसे भी, भारत, चीन और अमेरिका गोल्ड की सबसे बड़ी मंडी हैं और गोल्ड ही इन सभी देशों की ताकत भी है और लोगों के लिए भी हमारे देश में संपत्ति भी इसी को माना जाता है। भारत में लगभग 50 लाख परिवारों की अर्थव्यवस्था गोल्ड बिजनेस पर ही निर्भर है, जिनमें बुलियन एक्सपोर्टर से लेकर ट्रेडर्स, ज्वेलर्स, डिजाइनर्स, कारीगर आदि सब शामिल हैं। इसलिए मान जा रहा है कि इतनी बड़ी तादात में जो लोग पूरी तरह से केवल गोल्ड पर ही निर्भर हैं, उनकी जीवन व्यवस्था को सम्हालने के लिए गोल्ड ही आखरी उपाय है और अर्थव्यवस्था का तो आधार पहले सही गोल्ड ही है, सो माना जा रहा है कि जैसे जैसे महंगाई बढ़ेगी, गोल्ड और तेजी से बढ़ेगा। गोल्ड मार्केट के जानकारों का दावा है कि सन 2025 तक गोल्ड 1 लाख के पार भी जा सकता है।

**चेतन थेड़ेश्वर**

श्रृंगार हाऊस ऑफ मंगलसूत्र

गोल्ड की कीमतें अपने परवान पर हैं। बाजार में खरीदी भले ही कम है, लेकिन गोल्ड के रेट बढने में विभिन्न देशों की खरीदारी का बहुत बड़ा योगदान है। वैश्विक स्तर पर माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में ब्याज दरों में कटौती की संभावना प्रबल है, तो रेट और बढ़ेंगे।

**गोल्ड लगातार परवान पर है। दुनिया भर के सैंट्र्ल बैंकों की खरीदी के कारण गोल्ड की कीमतों में अभी और बढ़ोतरी के आसार हैं। माना जा रहा है कि गोल्ड को सबसे मजबूत सपोर्ट अमरीकी ब्याज दरों में जल्द ही कटौती किए जाने की संभावना से मिल रहा है। माना जा रहा है कि थोड़ा सा नीचे जाने के बाद गोल्ड एक बार फिर से तेज छलांग के साथ 77 हजार के आसपास पहुंच सकता है, उप 80 हजार का राह पकड़ सकता है।**

**अजीत जैन**

माणेक ज्वेलर्स प्रा. लि.

वैश्विक स्तर पर गोल्ड के ताजा आंकड़ों को देखें, तो जनवरी से अप्रेल 2024 के बीच गोल्ड बिलुयन का आयात 445 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इसी से समझा जा सकता है कि भारत में गोल्ड भले ही कितना भी महंगा हो जाए, इसकी चमक घटने वाली नहीं है।

**पंकज जगावत**

शांती गोल्ड इंटरनेशनल लि.

फिलहाल गोल्ड के रेट कम होनेवाले नहीं है, क्योंकि यह लगातार 16 वां महीना है जब चीन का केंद्रीय बैंक गोल्ड की का लगातार खरीदार रहा है। भले ही इस महीने चीन ने खरीदी को धीमा किया है, मगर गोल्ड की खरीदी के अलावा दुनिया के पास कोई विकल्प ही नहीं है।

**महेन्द्र राणावत**

ब्रह्मांड ज्वेल्स

यह साफ तौर पर लग रहा है कि दुनिया डर के बाजारों सहित भारतीय बाजारों में भी गोल्ड के रेट्स तेजी पकड़ेंगे, क्योंकि वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्था के जो हालात दिख रहे हैं, उनके मुताबिक गोल्ड के रेट में इजाफा हुए बिना कोई चारा ही नहीं है।

# कहां तक उछलेगा गोल्ड और फेड रिजर्व के रेट हाइक का कनेक्शन

नई दिल्ली। दुनियाभर में सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। पिछले महीने यह रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था लेकिन उसके बाद इसमें कुछ नरमी आई है। सवाल उठता है कि अगर अमेरिका के फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती करना शुरू किया तो इसका सोने की कीमत पर क्या असर होगा? ऐतिहासिक रूप से देखें तो फेड के ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद 24 महीने तक सोने की कीमत में काफी तेजी देखी गई है। मसलन 2018-20 में सोने की कीमत में करीब 50 फीसदी तेजी आई थी। इसी तरह 2006-08 में गोल्ड 55 फीसदी उछल गया था। इस बार फेड रिजर्व ने अंतिम बार जुलाई 2023 में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। उसके बाद से सोने की कीमत में 21 फीसदी तेजी आई है। अगर इतिहास को देखें तो सोने की कीमत में और तेजी आ सकती है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर पिछले दिनों यानी 5 जून 2024 की डिलीवरी वाला सोना तेजी के साथ 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछलकर 74,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। सोने की वैश्विक कीमतों में भी तेजी

देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 3.34 फीसदी या 31.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,317.40 डॉलर प्रति औंस पर है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव बढ़कर 2,224.44 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुकी है।

इस साल अब तक, वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें लगभग 20 प्रतिशत करीब 2,390 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई हैं। पिछले महीने कुछ समय के लिए इसकी कीमत 2,400 डॉलर के स्तर को भी पार कर गई थी, जो इसका अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। दुनिया के कई प्रमुख केंद्रीय बैंकों में सोना खरीदने की होड़ मची है। इसमें चीन, भारत और रूस शामिल हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब अमेरिका ने रूस की डॉलर वाली एसेट्स को फ्रीज किया तो वैश्विक निवेशकों का डॉलर पर भरोसा डगमगा गया। इससे केंद्रीय बैंक सोना खरीदने में लगे हैं। सोने की स्वीकार्यता के कारण इसे ग्लोबल करेंसी माना जाता है। इस कारण सोने की कीमत में तेजी आई है।

अमेरिका और यूरोपीय संघ के बढ़ते कर्ज के कारण भी सोने की मांग बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि मुद्रा के अवमूल्यन की चिंताओं के बीच इसे एक सेफ हेवन के रूप में देखा जाता है। सोने की तेजी का एक और कारण यह भी है कि चीन में केंद्रीय बैंक के साथ-साथ आम लोग भी जमकर सोना खरीद रहे हैं। चीन में रियल एस्टेट गहरे संकट में है और शेयर बाजार की भी हालत खस्ता है। यही कारण है कि लोग सोने में ज्यादा से ज्यादा निवेश कर रहे हैं। उम्मीद है कि अमेरिकी खुदरा निवेशक भी इसी रास्ते पर जा सकते हैं। जानकारों की मानें तो इस साल के अंत तक सोने की कीमत 80 हजार से एक लाख रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं साल 2025 तक 10 ग्राम सोने के दाम 1,50,000 रुपये के आसपास पहुंचने की भी संभावना जताई जा रही है।

SANGAM®

JEWELS N GOLD LLP

MUMBAI • THRISSUR

: OFFICE ADDRESS :

DD Jewels Mkt., 4th Floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar,
Opp. Khau Gali, Mumbai - 400003
Tel.: 022-2345 2827 / 2745 / 2777 & 022 - 2346 4747

GET IT ON Google Play | Available on the App Store

Email : sangam@sjg.co.in

Web : www.sangamonline.in

LAKHANI

*Beyond Celebrations...*

*With Best Compliments From*

- **LAKHANI CATERERS**
- **LAKHANI TRADERS**
- **LAKHANI CATERING**
- **LAKHANI HOSPITALITY**
- **NITYA INC**

Lakhani Decorator

*Dewang Lakhani*
*9819384241*

*Rajesh Lakhani*
*9820084241*

**OUR PANEL :** • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

**OUR ASSOCIATES** • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

## MOGRA

**Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).**

**BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY**

## LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

**Follow Us On** **D LAKHANI HOSPITALITY** **http://dlakhanihospitality.com/**

# RAJ JEWELLERS

## REET
CZ JEWELLERY

kiranraj1111@gmail.com
+91 98216 80168

## RETI
MOUNTING JEWELLERY

retimounting@gmail.com
+91 82912 79021

## REVAJ
ANTIQUE JEWELLERY

raj.ethnicgold@yahoo.com
+91 99307 96231

Goregaon, Mumbai

@rajjewellersmumbai

# carron

ready made garments

**Shop now @ www.carronclothing.com**

**Kalbadevi, Kemps Corner, Kalyan (Mumbai)**

**Contact Number : +91 8866435435**

carronclothing

carronfashion

L K JEWELS
Manufacturing Mangalsutra
Since 1986
Together
Lalit : 93224 55625
98199 56850
Alpit : 96994 99479
Chirag : 70216 36885
Shop No. 102, 1st Floor, Bldg., No. 231/233, Near TBZ Showroom, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 002.
Tel.: 022 61837987 / 97 I.Com: 7987 & 7997

# India Pavilion and India Design Gallery Showcase Exceptional Craftsmanship and Innovative Designs at JCK Las Vegas 2024

The Gem & Jewellery Export Promotion Council (GJEPC) is thrilled to announce the successful conclusion of the India Pavilion and Design Gallery at JCK Las Vegas 2024. The event, held from 31st May to 3rd June at the Sands Expo & The Venetian, has once again demonstrated the exceptional craftsmanship and innovative designs that Indian jewellers bring to the global stage.

The India Pavilion, spread over 4,900 square feet across Level 1 and Level 2 (Passport Section, Diamond Pavilion, Lab-Grown, and Current Sections), hosted 39 esteemed member exporters. The pavilion attracted significant footfall, with visitors expressing great admiration for the exquisite array of precious metal jewellery, both plain and studded, and the loose gemstones on display. The high visitor engagement underscores the global appreciation for the quality and artistry of Indian jewellery.

Vipul Shah, Chairman of GJEPC, remarked, "The overwhelming response to the India Pavilion at JCK Las Vegas reaffirms our position as leaders in the global jewellery market. JCK Las Vegas continues to be a vital platform for Indian exporters to understand and align with the latest trends in the USA market. The event provides invaluable insights into consumer preferences and emerging styles, enabling Indian jewellers to refine their offerings and strengthen their presence in the international market. The USA, which accounted for 30.2% or $9.94 billion of India's total gem and jewellery exports in FY 2023-2024, continues to be our largest export destination."

A major attraction this year was the India Design Gallery, located at L-105, Level 1, which showcased some of the most beautifully crafted jewellery pieces from India. This exclusive gallery, featuring 20 stunning pieces, was widely appreciated by visitors for its display of India's rich heritage and modern creativity. The themes, "Objet Trouvé" and "Unusual Materials," highlighted the versatility and ingenuity of Indian artisans, creating a compelling narrative that resonated with the diverse audience.

Amit Mulani, General Manager, Parishi Diamond Inc., noted that the show was on the slower side, which we had anticipated. The first day's footfall were decent, and the subsequent days were average. However, our experience with GJEPC has always been great. We've been working exhibiting in the India Pavilion and have participated in their numerous shows since many years, and it has always been positive."

A sales executive from Dharam Export IndiaPvt. Ltd. shared that this was

their first time exhibiting at the India Pavilion at JCK Las Vegas, and they received a very good response. "We are planning to participate again next year as well."

Kushi Shah from Illusion Solitaire Diamond Trade, too, informed that it was their first time here, "We've had a great experience meeting people from different cultures and countries. The first day was a bit slow, but overall, it was wonderful to showcase our jewellery and make many new contacts. We'd love to participate again."

Commenting on the overall show, Asish Sand from Savio Jewellery India said, "The show was phenomenal for us, with numerous buyers from South America and Canada. Our experience at JCK was excellent. Despite the recent rise in gold prices, the response exceeded our expectations. Every appointment led to a successful conversion, making it an outstanding show for us."

# Resilient Performance by India's Jewellery Sector: Significant Growth in Gold Jewellery and Silver Jewellery Exports

Mumbai : India's gems and jewellery sector continues to demonstrate resilience and growth, as highlighted by the latest export performance data for the period of April to May 2024. The overall gross exports of Gems & Jewellery during this period amounted to US$ 4691.58 million (Rs. 39123.07 crores), showcasing a commendable performance. While this reflects a slight decline of 5.94% (-4.56% in Rs. term), the sector's ability to maintain such significant figures amidst global economic fluctuations underscores its stability and adaptability.

In specific segments, while Cut & Polished Diamonds experienced a decline of 15.54% to US$ 2627.09 million (-14.32% to Rs. 21906.44 crores), other categories such as Gold Jewellery (Plain & Studded) and Silver Jewellery witnessed remarkable growth.

Commenting on the performance, Mr. Vipul Shah, Chairman, GJEPC said, "India's gems and jewellery sector has shown remarkable resilience and adaptability despite global headwinds.

The growth witnessed in categories such as Gold Jewellery and Silver Jewellery underscores the enduring appeal of Indian craftsmanship and design. As we navigate through the evolving landscape, we remain committed to driving innovation and excellence to ensure sustained growth for the industry." "As the industry continues to navigate through dynamic market conditions, GJEPC remains optimistic about the sector's long-term prospects, leveraging India's rich heritage and skilled workforce to capitalize on emerging opportunities." Shah added.

- For the period of April to May 2024, Plain Gold Jewellery exports grew 30.66% to
- US$ 653.71 million
- Studded Gold Jewellery exports grew 4.94% to US$ 766.84 million
- Silver Jewellery exports grew 22.47% to US$ 178.8 million

Notably, the provisional gross export of Total Gold Jewellery surged by 15.4% to US$ 1420.550 million (17.15% to Rs. 11846.93 crores), as compared to US$ 1231.01 million (Rs.10112.61 crores) to the same period the previous year. Within this category, Plain Gold Jewellery showed exceptional growth of 30.66% to US$ 653.71 million (32.66% Rs. 5451.68 crores) as compared US$ 500.3 million (Rs. 4109.55 crores) to the same period the previous year. This indicates a preference for timeless designs and purity.

Furthermore, signalling sustained interest in intricate and embellished pieces, Studded Gold Jewellery saw a growth of 4.94% to US$ 766.84 million (6.53% to Rs. 6395.25 crores), as compared to US$ 730.71 million (Rs. 6003.06 crores) to the same period the previous year. Silver Jewellery emerged as another bright spot, with a notable growth of 22.47% to US$ 178.8 million (24.3% to Rs.1491.01 crores), as compared to US$ 145.99 million (Rs. 1199.5 crores) to the same period the previous year. This showcases the versatility and affordability of this category in the global market.

Moreover, the Platinum Jewellery segment exhibited growing preference among consumers with exceptional growth of 72.94% to US$ 25.48 million (75.35% to Rs. 212.48 crores), as compared to US$ 14.73 million (Rs. 121.17 crores) to the same period the previous year. While Coloured Gemstones exports declined 29.02% to US$ 63.2 million (-27.99% to Rs. 527.2 crores) as compared to US$ 89.04 million (Rs. 732.12 crores). Provisional gross export of Polished Lab Grown Diamonds declined 15.5% to US$ 204.17 million (-14.32% to Rs. 1702.55 crores) over the comparative figure of US$ 241.62 million (Rs. 1987.1 crores) for the same period the previous year.

# DMCC, GJEPC, and BDB Discuss Strengthening Ties to Promote India-Dubai Trade

A high-level delegation from the Dubai Multi Commodities Centre (DMCC), led by Executive Chairman and CEO Mr. Ahmed Bin Sulayem, met with the leadership of the Gem & Jewellery Export Promotion Council (GJEPC) and the Bharat Diamond Bourse (BDB) at the GJEPC head office in Mumbai on 12th June with the aim of reinforcing the trade relationship between India and Dubai.

Mr. Shah extended a warm welcome to Mr. Ahmed Bin Sulayem and his team including Special Advisor - Precious Stones, DMCC, Dr. Martin Leake; Director of Marketing & Corporate Communications, DMCC, Mr. Peter Anders Jacobson; Head of Events and Partnerships, DMCC, Mr. Samer Hussein Merhi; and Mr. Bassel Bitar, Head of Corporate Sales, DMCC.

The discussions with Mr. Vipul Shah, Chairman, GJEPC; Mr. Kirit Bhansali, Vice Chairman, GJEPC; Mr. Ajesh Mehta, Convenor - Diamond Panel, GJEPC; Mr. Sabyasachi Ray, Executive Director, GJEPC; Mr. Anoop Mehta, President, BDB; and Mr. Mehul Shah, Vice President, BDB centred on collaborative efforts to boost trade in diamonds, precious metals, and other precious commodities.

The meeting highlighted several key projects, including the launch of a Dubai Cut diamond, a new and innovative diamond cut developed by DMCC, the educational collaboration with GJEPC on the Dubai Design Academy; and GJEPC's assistance on the integration of natural diamonds in gold coins being launched by DMCC.

**Aabhushan Times**

# DIGITAL CREATIVE AGENCY

MARKETING SOLUTIONS
BRAND | GRAPHIC DESIGNING
SOCIAL MEDIA MARKETING
ONLINE | DIGITAL MARKETING
MEDIA RELEASE
PHOTOGRAPHY
WEBSITE DESIGNING
CORPORATE OFFICE BRANDING
VIDEO EDITING & MARKETING

*Our Specialization is in*
**Jewellery Industry**

More Info Call Us:
+91-9322530338

www.aabhushantimes.com
VISIT OUR WEBSITE

# कम उत्पादन और मांग में तेजी से चमकी चांदी बनी निवेशकों की सबसे चहेती

पिछले कुछ महीनों से चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की सुनहरी चमक के आगे सोना भी फीका पड़ रहा है। इस साल चांदी के दाम में 36 फीसदी से ज्यादा का उछाल आ चुका है। चांदी में रिकॉर्ड रैली की वजह मांग में तेजी को माना जा रहा है। लगातार बढ़ती चमक की वजह से निवेशक अगले कुछ महीनों में चांदी को लाख रुपये के पार देख रहे हैं।

चांदी के भाव अभी 95 हजार रुपये प्रति किलो के आस पास चल रहे हैं। वायदा बाजार एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध चांदी 250 रुपये की तेजी के साथ 95698 रुपये पर पहुंच गया जबकि कारोबारी समय में 96300 रुपये के सर्वोच्च स्तर को छू लिया था। हाजिर बाजार में चांदी के दाम 94118 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गए। जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 31.96 डॉलर प्रति औंस पर चल रही है। वायदा और हाजिर में सौदों की संख्या बढ़ रही है। औद्योगिक मांग भी तेज है जिसको देखते हुए विश्लेषकों का मानना है कि अगले कुछ महीनों में चांदी एक लाख की सीमा को पार कर जाएगी।

सोने-चांदी के भाव में तेजी इस साल फरवरी महीने से शुरु हुई। फरवरी में चांदी का औसत दाम 69312 रुपये प्रति किलोग्राम और सोना का औसत कीमत 61992 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जबकि चालू मई महीने में चांदी का औसत दाम 94118 और सोना 72123 रुपये है। फरवरी से अभी तक चांदी के दाम करीब 36 फीसदी उछल हैं जबकि सोने की कीमत में करीब 16 फीसदी की तेजी हुई है। पिछले 10 सालों में चांदी का खनन उत्पादन लगभग स्थिर रहा है । 2015 में 897 मिलियन औंस का खनन किया गया था, जबकि 2023 में यह 824 मिलियन औंस हुआ। इस दौरान चांदी की औद्योगिक मांग 457 मिलियन औंस से बढ़कर 654 मिलियन औंस हो गई। चांदी की बढ़ती मांग ने निवेशकों और खरीदारों की आंखों में चमक भर दी। बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को चांदी ETF की ओर आकर्षित किया है, जिससे अतिरिक्त मांग पैदा हुई है। 2023 में चांदी में शुद्ध भौतिक निवेश 243 मिलियन औंस तक पहुंच गया, जो चांदी के लिए उद्योग की मांग का 37 प्रतिशत है। चांदी ज्वेलरी के साथ प्रमुख औद्योगिक धातु भी है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर पैनलों और 5जी एंटिना सहित अन्य उत्पादों में चांदी एक अनिवार्य कच्चा माल है, जिससे आने वाले सालों में मांग में लगातार बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि फिलहाल चल रहे भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता, ऊंची महंगाई दर, मजबूत औद्योगिक मांग के साथ दरों में कटौती की उम्मीद के कारण चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। जो घरेलू बाजार में चांदी को इसी साल एक लाख रुपये के आंकड़े के पार ले जाएंगी।

# क्या है 9-कैरेट गोल्ड ज्वेलरी, जिसकी जल्द होगी हॉलमार्किंग सोने की तेजी से क्या है कनेक्शन?

सोने और चांदी की कीमतें लगातार आसमान छू रही हैं, जिसके चलते अब 9 कैरेट की गोल्ड ज्वेलरी की चर्चा होने लगी है। ट्रेडर्स ने भी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (*BIS*) से इसको महत्वपूर्ण अपील की है। ट्रेडर्स ने हॉलमार्किंग को आगे बढ़ाने के साथ 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी के लिए हॉलमार्किंग यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर शुरू करने का सुझाव दिया गया है। लेकिन ये 9 गोल्ड क्या है, असली सोने से कितना अलग है, इससे आपको क्या फायदा होगा।

**हाल ही में सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी गई है. जिसके चलते ये सोना खरीदने वालों की पहुंच से दूर होता जा रहा है और खरीदारों के बीच इसने चिंता पैदा कर दी है। ऐसे में 9 कैरेट गोल्ड की ज्वेलरी की हॉलमार्किंग की डिमांड बढ़ने लगी है।**

दरअसल, हाल ही में सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी गई है। जिसके चलते ये सोना खरीदने वालों की पहुंच से दूर होता जा रहा है और खरीदारों के बीच इसने चिंता पैदा कर दी है। सोने की कीमतें 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास हैं। वहीं, चांदी 95,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आंकड़े को पार कर चुकी हैं।

दरअसल, सोने के मामले में कैरेट का इस्तेमाल उसकी शुद्धता को मापने के लिए किया जाता है। अगर सोना 24 कैरेट है, मतलब इसमें 99.9 फीसदी शुद्ध सोना है। 22 कैरेट सोने की शुद्धता का स्तर 91.7 फीसदी होता है, जबकि 18 कैरेट सोने में 75 फीसदी सोने की शुद्धता होती है। इसी तरह, 14 कैरेट सोना 58.3 फीसदी तो 12 कैरेट 50 फीसदी शुद्ध होता है। 10 कैरेट में सोने की शुद्धता 41.7 फीसदी और 9 कैरेट में सिर्फ 37.5 फीसदी सोने की शुद्धता है। इसमें भी चांदी, तांबा, जिंक और निकल जैसी धातुओं का मिश्रण किया जाता है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने BIS अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस दौरान 9 कैरेट सोने के लिए हॉलमार्किंग और HUID नंबर के महत्वपूर्ण मामले पर चर्चा हुई थी। ET की रिपोर्ट के मुताबिक, IBJA के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने उपभोक्ताओं पर बढ़ती कीमतों के प्रतिकूल प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, 'कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। उपभोक्ता इसका बोझ महसूस कर रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने 9 कैरेट के आभूषणों के लिए हॉलमार्किंग की अनुमति देने की संभावना पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों से मुलाकात की।' यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कीमत निर्धारित करने में IBJA के योगदान को स्वीकार करता है।

नौ कैरेट सोने की कीमत अभी करीब 28,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास है। इस पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त जीएसटी भी लगता है। अगर 9 कैरेट सोने के लिए हॉलमार्किंग को मंजूरी मिल जाती है तो उपभोक्ता अपने बजट की सीमाओं के भीतर रहते हुए बड़े आभूषण खरीद सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ कम करना है।

हॉलमार्किंग के प्रस्तावित विस्तार में 9 कैरेट सोना शामिल करने से कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने में उद्योग के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया है। इस पहल का उद्देश्य अनिश्चित वित्तीय परिस्थितियों के दौरान उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना है।

# लंदन से 100 टन सोना भारत लाया RBI

## कितना गोल्ड जमा है विदेश में

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल में सोने की जमकर खरीदारी की है। साथ ही बैंक ने ब्रिटेन से 100 टन से अधिक सोना देश में अपने भंडार में ट्रांसफर किया है। साल 1991 के बाद यह पहला मौका है जब सेंट्रल बैंक ने अपने स्थानीय भंडार में इतना सोना जमा किया है। आने वाले महीनों में 100 टन सोना देश में आ सकता है। सूत्रों के मुताबिक देश के भीतर सोना जमा करने के लॉजिस्टिक कारण हैं। साथ ही केंद्रीय बैंक अपने स्टोरेज को डाइवर्सिफाई कर रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मार्च के अंत में RBI के पास 822.1 टन सोना था। इसमें से 413.8 टन सोना आरबीआई ने विदेशों में रखा है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में आरबीआई ने अपने भंडार में 27.5 टन सोना जोड़ा था।

दुनियाभर के सेंट्रल बैंक पारंपरिक रूप से बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास सोना रखते हैं। भारत भी इसमें अपवाद नहीं है। आजादी से पहले के दिनों से ही बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास भारत का सोने का कुछ स्टॉक पड़ा है। एक अधिकारी ने बताया कि आरबीआई ने कुछ साल पहले सोना खरीदना शुरू किया था। इस बात की समीक्षा हो रही हो रही है कि इसे कहां रखना है। यह काम समय-समय पर किया जाता है। चूंकि विदेशों में स्टॉक जमा हो रहा था, इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला किया गया। साल 1991 में चंद्रशेखर सरकार को भुगतान संतुलन के संकट से निपटने के लिए इस बहुमूल्य धातु को गिरवी रखना पड़ा था। तबसे अधिकांश भारतीयों के लिए सोना एक भावनात्मक मुद्दा रहा है।

आरबीआई ने लगभग 15 साल पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोना खरीदा था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उसने खरीद के माध्यम से अपने गोल्ड स्टॉक में लगातार वृद्धि की है। एक सूत्र ने कहा, यह अर्थव्यवस्था की मजबूती और आत्मविश्वास को दर्शाता है, जो 1991 की स्थिति से बिल्कुल विपरीत है। लेकिन विदेश से 100 टन सोना लाना एक बहुत बड़ी लॉजिस्टिकल कवायद थी। यह मार्च के अंत में देश में मौजूद गोल्ड स्टॉक का लगभग एक चौथाई है। यही वजह है कि इसके लिए महीनों की योजना और सटीक निष्पादन की जरूरत थी। इसमें वित्त मंत्रालय, आरबीआई और सरकार की कई संस्थाओं और स्थानीय अधिकारियों के बीच समन्वय की जरूरत थी।

सबसे पहले, आरबीआई को देश में सोना लाने के लिए सीमा शुल्क में छूट मिली। इस तरह केंद्र को इस सॉवरेन एसेट पर रेवेन्यू छोड़ना पड़ा। लेकिन एकीकृत जीएसटी से कोई छूट नहीं मिली। यह टैक्स आयात पर लगाया जाता है। इसकी वजह यह है कि यह टैक्स रा'यों के साथ शेयर किया जाता है। भारी मात्रा में सोना लाने के लिए एक विशेष विमान की भी आवश्यकता थी। इसके लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस कदम से आरबीआई को स्टोरेज कॉस्ट में कुछ बचत करने में भी मदद मिलेगी। इसका भुगतान बैंक ऑफ इंग्लैंड को किया जाता है। हालांकि यह राशि बहुत अधिक नहीं है। देश के अंदर, सोना मुंबई के मिंट रोड स्थित आरबीआई की पुरानी बिल्डिंग के साथ-साथ नागपुर में रखा जाता है।

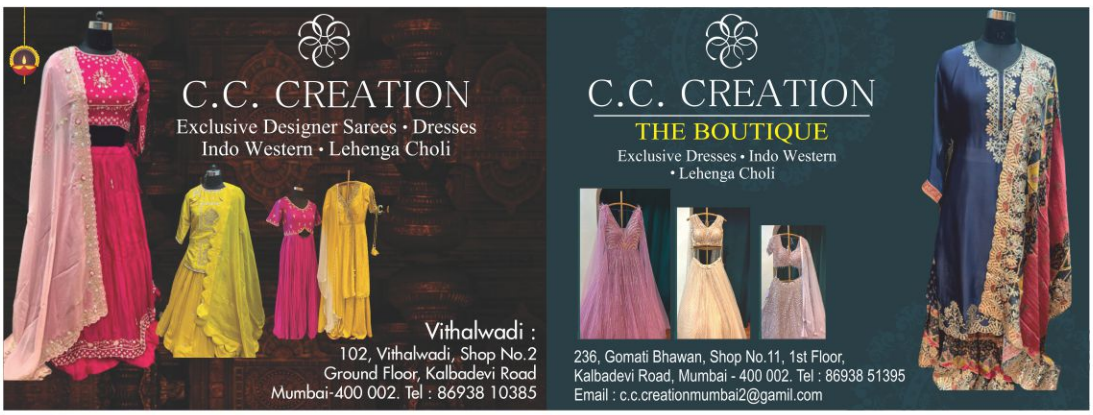


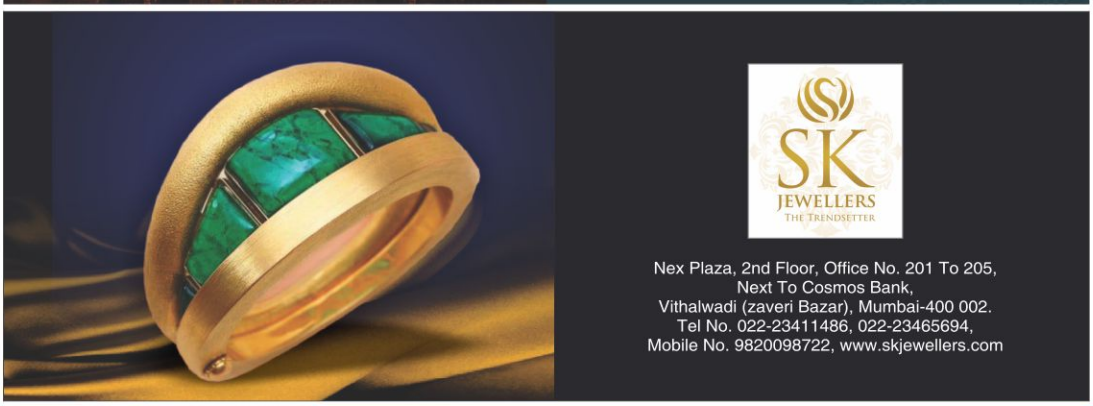

VCHAINS®

Million Designs. One Address.

69/71, Panchsheel Building
1st Floor, Shop No.3
Dhanji Street,
Mumbai - 400002.

: vchainsjewellery@gmail.com

: 98192 09900
93211 18800

MyGOLD

18kt Designer Jewellery

507,18/22 Auram Mall
5th Floor, Kalbadevi Road
Shaikh Memon Street
Mumbai - 400002.

: mygoldjewel@gmail.com

: +91 88504 92038
90044 87585

INTERNATIONAL INSTITUTE OF GEMOLOGY
SRDC SINCE 1965

# BECOME A MASTER IN GEMS & JEWELLERY

START YOUR **MASTERS** JOURNEY TODAY! >

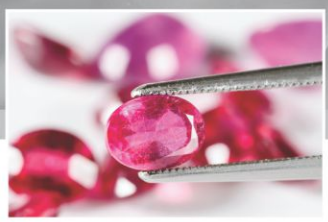

## Masters & Graduate Courses
## Gemology ,Diamond & Jewellery Design

Over 1,00,000 professionals graduated till date

50+ Glorious Years of Excellence in G&J Education

Practical real-world education

Over 25 short courses to offer

Experienced and senior faculties

**Book a Consultation Today!**

+91 93222 62357

MUMBAI | SURAT | KOLKATA | BENGALURU | HONG KONG

info@iigindia.com www.IIGINDIA.com

# SHUBHAM SILVER

Manufacturer of Mumbai Fancy (&) Payal
& 92.5% Sterling Silver Jewellery

Ambalal : +91-98202 17295

Kalpesh : +91-93202 17295

## A symbol of Modern Luxury

178/180, 2nd Floor, Desai Bhaishankar Gaurishankar Building,
Opp. Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road,
Mumbai, India, Maharashtra

SKY GOLD
Scan to view
Instagram page
Indulge in the
simplicity and beauty
of our fine jewellery
Darshan Chauhan
+91 98339 72525
sales@skygold.co.in